सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" पद और संपन्नता तय नहीं करते, कि हम श्रेष्ठ हैं या नहीं बल्कि हमारे विचार और व्यवहार यह तय करते हैं, कि हम किस श्रेणी के हैं...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–204 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 12 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

"आज के बच्चे कल शतरंज की दुनिया में बनेंगे बरगद का पेड़" - डॉ. रमन सिंह

राज्य स्तरीय जूनियर शतरंज प्रतियोगिता का समापन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

दिग्विजय स्टेडियम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय जूनियर शतरंज प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरूण साव और सांसद संतोष पाण्डेय विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

एलिगेंट कॉमर्स एवं आईटी कॉलेज राजनांदगांव तथा एनआरसीए के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्यभर से लगभग 125 बालक–बालिकाओं ने हिस्सा लिया। डॉ. रमन सिंह और अरूण साव ने प्रतिभागियों के बीच पहुंचकर शतरंज खेलते बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनके साथ बोर्ड पर चालें भी चलीं।

"खेल से बनता है आत्मविश्वास और अनुशासन"

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव की शतरंज परंपरा प्रेरणादायी है। आज प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे बच्चे भविष्य में शतरंज के बड़े खिलाड़ी बन सकते हैं। उन्होंने कहा, "जिस तरह वृक्षारोपण के समय छोटा पौधा दिखता है और समय के साथ वही विशाल बरगद बन जाता है, उसी तरह आज के ये बच्चे शतरंज की दुनिया में बड़ा नाम करेंगे।" उन्होंने बच्चों से कहा कि हार से निराश न हों। हार को सीख मानकर आगे बढ़ें। बच्चों में आत्मविश्वास जगाना सबसे जरूरी है। एक बार हिम्मत आ जाए तो कोई भी रोक नहीं सकता। उन्होंने आश्वस्त किया कि बच्चों को खेल में आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि दिग्विजय स्टेडियम में सुबह से शाम तक खेल गतिविधियां चलती हैं। खेल मैदान से आत्मविश्वास, अनुशासित और स्वस्थ युवा तैयार होता है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को करियर के लिए खेल चुनना जरूरी नहीं, लेकिन कम उम्र से किसी न किसी खेल से जुड़ना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "जो खेलेगा वही खिलेगा" संदेश का जिक्र करते हुए उन्होंने बच्चों को खूब खेलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में बालिकाओं की बड़ी संख्या उत्साहजनक है।

समापन पर विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए गए। इस अवसर पर राजगामी संपदा न्यास की अध्यक्ष पूणिर्मा साहू, कोमल सिंह राजपूत, दिग्विजय स्टेडियम सचिव रमेश पटेल, सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, खेलप्रेमी और नागरिक उपस्थित थे।

रेंजर की नौकरी लगाने के नाम पर 8 लाख की धोखाधड़ी, तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र देकर ठगी, भिलाई भट्ठी पुलिस ने भेजा न्यायिक रिमाण्ड पर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वन विभाग में रेंजर के पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर 8 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में भिलाई भट्ठी पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया है।

थाना प्रभारी भिलाई भट्ठी निरीक्षक दिलेश्वर कुमार ने बताया कि सेक्टर–02 भिलाई निवासी दिनेश कुमार ने 09 अगस्त 2026 को थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रार्थी ने बताया कि वर्ष 2023 में आरोपियों ने उसके बेटे को वन विभाग में रेंजर की नौकरी लगवाने का विश्वास दिलाया था। इसके बदले आरोपियों ने कुल 8 लाख रुपये लिए और मंत्रालय से जारी नियुक्ति प्रमाण पत्र बताकर फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र भी दिया था।

नौकरी नहीं लगी तो शुरू हुई टालमटोल : पैसे लेने के बाद जब नौकरी नहीं लगी और प्रार्थी ने रकम वापस मांगी, तो आरोपी लगातार टालमटोल करने लगे। इस पर प्रार्थी को धोखाधड़ी का संदेह हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

रिपोर्ट पर प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश देकर उन्हें हिरासत में लिया। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को 11 अगस्त को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया।

आरोपियों का तरीका

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने प्रार्थी को विश्वास दिलाया कि वे वन विभाग में रेंजर की नौकरी लगवा देंगे। इसके लिए 8 लाख रुपये लिए और मंत्रालय का फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र थमा दिया। नौकरी नहीं लगने पर रकम वापस मांगने पर आरोपियों ने प्रार्थी को गुमराह किया।

गिरफ्तार आरोपी में

1. भारतेन्दु मेश्राम, उम्र 36 वर्ष, निवासी मकान नं. 167/एन–6, एकता नगर, ठेलका बोर्ड, पोस्ट गोविंदपुर, थाना एवं जिला कांकेर
2. हनी श्रेष्ठ, उम्र 42 वर्ष, निवासी कृष्णा ग्रैण्ड सिटी, के–21, आर्य नगर, कोहका, चौकी स्मृति नगर, थाना सुपेला, जिला दुर्ग
3. भोजेन्द्र कुमार, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम टिकरी अर्जुनी, थाना अर्जुन्दा, जिला बालोद शामिल हैं।

पुलिस ने आरोपियों से फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज भी जप्त किए हैं। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या धोखाधड़ी की जानकारी होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। इस कार्रवाई में सउनि भारत सिंह चौधरी, पुनीत राम वर्मा, आरक्षक युगल देवांगन एवं बालेन्द्र द्विवेदी की सराहनीय भूमिका रही।

शिव महापुराण से दीपावली तक यातायात व्यवस्था चाक–चौबंद रखने के सख्त निर्देश

त्योहारी सीजन को देखते हुए यातायात पुलिस दुर्ग की बड़ी बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग–भिलाई

आगामी त्योहारी सीजन में शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग ने कंट्रोल रूम सेक्टर–06 में यातायात अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में पूर्व में की गई कार्यवाहियों की समीक्षा के साथ आगामी 3 माह की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि शिव महापुराण, गणेश चतुर्थी, नवरात्रि एवं दीपावली जैसे बड़े आयोजनों के कारण अगले तीन माह शहर में यातायात का दबाव काफी बढ़ेगा। इसे देखते हुए सभी अधिकारियों को विशेष सतकर्ता बरतने और बेहतर यातायात प्रबंधन के निर्देश दिए गए।

इन पर होगी सख्त कार्रवाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट रूप से सख्त निर्देश दिए है कि – शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर लगातार चेकिंग अभियान चलाया जाए। मालवाहक वाहनों में सवारी परिवहन करने वालों पर कार्रवाई हो। सड़क पर स्टंट करने वाले वाहन चालकों के वाहन जप्त कर कड़ी कार्रवाई की जाए। बिना नंबर, अस्पष्ट नंबर और नो एंट्री में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों पर कार्रवाई हो साथ ही ब्लैक फिल्म लगे वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया जाए।

दुर्घटना वाले स्थानों का होगा निरीक्षण

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अधिकारियों को पूर्व में दुर्घटना वाले स्थानों का स्थल निरीक्षण कर कारणों की पहचान करने के निर्देश दिए गए। आवश्यकता अनुसार संबंधित विभागों से समन्वय कर सड़क, प्रकाश व्यवस्था, संकेतक और अतिक्रमण जैसी कमियों में सुधार कराने को कहा गया। बैठक में टैंगो टीम की कार्रवाई, अतिक्रमण हटाने, यातायात जन–जागरूकता कार्यक्रम और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ की जा रही चेकिंग की भी जानकारी ली गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को त्योहारी सीजन में पूरी ईमानदारी, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी करने और आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बिना हेलमेट, नो पार्किंग और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर विशेष फोकस

उप महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देशन में यातायात पुलिस दुर्ग ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर पिछले 1 सप्ताह में कुल 6,431 लापरवाह वाहन चालकों पर कार्रवाई की है। यातायात पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने और वाहन चालकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से जिले भर में फिक्स पॉइंट लगाकर लगातार वाहन चेकिंग की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान में बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, शराब सेवन कर वाहन चलाने और नो पार्किंग के मामलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रात्रि में प्रमुख मार्गों और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में ब्रेथ एनालाइजर से शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच भी की जा रही है।

यातायात पुलिस दुर्ग ने आम नागरिकों से अपील की है कि दोपहिया चलाते समय स्वयं और पीछे बैठे व्यक्ति को हेलमेट पहनाएं। चार पहिया में सीट बेल्ट का उपयोग करें। शराब पीकर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करें। निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं और नो पार्किंग, नो एंट्री का उल्लंघन न करें। नाबालिग बच्चों को वाहन न दें। यातायात पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों का पालन कर स्वयं सुरक्षित रहें और सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा में भी सहयोग करें।

एक सप्ताह का आंकड़ा

बिना हेलमेट – 3,897 प्रकरण
नो पार्किंग – 1,215 प्रकरण
तीन सवारी – 428 प्रकरण
बिना सीट बेल्ट – 424 प्रकरण
शराब सेवन कर वाहन चलाना – 69 प्रकरण
लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाना – 79 प्रकरण
तेज रफ्तार – 37 प्रकरण
वाहन चलाते समय मोबाइल उपयोग – 28 प्रकरण
बिना बीमा – 70 प्रकरण
नो एंट्री – 17 प्रकरण
ब्लैक फिल्म – 06 प्रकरण
परमिट शर्तों का उल्लंघन – 16 प्रकरण
अन्य धाराओं में – 150 प्रकरण
कुल – 6,431 प्रकरण

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा आगामी त्योहारी सीजन में चेकिंग, पेट्रोलिंग, प्रवर्तन कार्यवाही एवं जन–जागरूकता अभियान लगातार जारी रखा जाएगा।

साईंनगर बघेरा में भाई ने कुल्हाड़ी से वार कर छोटे भाई की हत्या की

चॉइस सेंटर के विवाद में खूनी संघर्ष, आरोपी हिरासत में

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के साईनगर बघेरा में चॉइस सेंटर के विवाद को लेकर सगे भाई ने छोटे भाई की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। थान सिंह देवांगन की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में अपराध क्रमांक 442/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई है।

पुलिस के अनुसार प्रकरण में आरोपी देवेन्द्र देवांगन और मृतक कैलाश देवांगन दोनों सगे भाई थे। दोनों मिलकर चॉइस सेंटर का संचालन करते थे। पुराने चॉइस सेंटर के अधिक चलने और हिसाब–किताब को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद होता रहता था। रविवार को इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई जो मारपीट में बदल गई। विवाद के दौरान देवेन्द्र देवांगन ने गुस्से में आकर छोटे भाई कैलाश देवांगन के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से कैलाश की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी देवेन्द्र देवांगन को हिरासत में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की अग्रिम विवेचना की जा रही है।

आज से विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व का आगाज

रायपुर। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर प्रांगण में बुधवार, आज हरेली अमावस्या के पावन अवसर पर पाट जात्रा पूजा विधान के साथ विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व का आगाज होने जा रहा है। इस दौरान पारंपरिक मांझी–चालकी, मेम्बर–मेम्बरीन, पुजारी, पटेल, नाईक–पाईक और सेवादार रथ निर्माण के लिए औजार बनाने की ठुरलू खोटलाश रस्म अदा करेंगे। बस्तर दशहरा समिति ने सभी सेवादारों, ग्रामीणों और गणमान्य नागरिकों को इस पूजा विधान में शामिल होने का आग्रह किया है। 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर दशहरा का मुख्य कार्यक्रम जारी किया गया है, जिसके तहत 12 अगस्त से पाट जात्रा पूजा विधान दशहरा पर्व का शुभारंभ, 24 सितम्बर को डेरी गड़ाई पूजा विधान, 10 अक्टूबर को काछनगादी पूजा विधान, 11 अक्टूबर को कलश स्थापना पूजा विधान, 12 अक्टूबर को जोगी बिठाई पूजा विधान के रस्म का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 13 अक्टूबर से 18 अक्टूबर को प्रतिदिन नवरात्रि पूजा एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, 18 अक्टूबर को सुबह 11 बजे बेल पूजा विधान, 19 अक्टूबर को महाअष्टमी पूजा विधान एवं निशा जात्रा पूजा विधान, 20 अक्टूबर को कुंवारी पूजा विधान, जोगी उठाई पूजा विधान एवं मावली परघाव का आयोजन किया जाएगा। 21 अक्टूबर बुधवार को भीतर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा, 22 अक्टूबर गुरूवार को बाहर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा, 23 अक्टूबर शुक्रवार को सुबह काछन जात्रा पूजा विधान, दोपहर में ऐतिहासिक मुरिया दरबार का आयोजन किया जाएगा। 24 अक्टूबर शनिवार कुटुम्ब जात्रा पूजा विधान ग्राम्य देवी–देवताओं की विदाई, 27 अक्टूबर मंगलवार मावली माता की डोली की विदाई पूजा विधान के साथ पर्व का औपचारिक समापन किया जाएगा।

शिवधाम में महारुद्राभिषेक और महाआरती, भजन संध्या में जमकर थिरके भक्त

भक्तिभाव से गूंजा सेक्टर–7 तालाब परिसर, "हर–हर महादेव" के जयघोष से शिवमय हुआ वातावरण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

श्रावण मास के पावन अवसर पर शिवधाम सेवा समिति के तत्वावधान में सेक्टर–7 तालाब स्थित शिवधाम मंदिर में महारुद्राभिषेक, भजन संध्या एवं महाआरती का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा–अचर्ना कर आशीर्वाद लिया।

भजन संध्या में उपस्थित श्रद्धालुओं का भक्तिभाव देखते ही बन रहा था। चारों ओर "हर–हर महादेव" के जयघोष और भक्ति संगीत से पूरा परिसर शिवमय हो उठा। देर शाम तक चले कार्यक्रम में बड़ी संख्या में माताएं–बहनें एवं श्रद्धालु शामिल हुए।

इस अवसर पर समिति के संरक्षक लक्ष्मीपति राजू पार्षद एवं अध्यक्ष खाद्य लोक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग नगर पालिक निगम भिलाई, सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू, हरिभूमि प्रेस के चीफ ब्यूरो संदीप उपाध्याय, भारती मीडिया नेटवर्क के मुख्य संपादक दीपक शर्मा, मलकीत सिंह, डॉ हरजिंदर सिंह सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिवधाम सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि श्रावण मास में प्रत्येक सोमवार को इसी प्रकार के धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना और सामुदायिक एकता को बढ़ावा देना है।

स्मार्ट मीटर बदलने कांग्रेस ने चलाया अभियान, घर-घर जाकर नागरिकों से भरवाए आवेदन

पुलगांव और सुराना कॉलेज वार्ड में पहुंची कांग्रेस की टीम, बढ़े बिजली बिल को लेकर लोगों ने जताई नाराजगी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग द्वारा स्मार्ट मीटर बदलकर पुराने मीटर लगाने की मांग को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को वार्ड क्रमांक 55 पुलगांव वार्ड एवं वार्ड क्रमांक 40 सुराना कॉलेज वार्ड के विभिन्न बूथों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर नागरिकों से स्मार्ट मीटर बदलने के लिए आवेदन फार्म भरवाए।

अभियान के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष अलताफ अहमद विशेष रूप से उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने नागरिकों से स्मार्ट मीटर से संबंधित उनकी समस्याओं और बिजली बिल में हुई बढ़ोतरी की जानकारी ली।

इस दौरान नागरिकों ने स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल में कथित रूप से कई गुना वृद्धि होने की शिकायत की। लोगों का कहना था कि घर में बिजली के उपकरण और खपत पहले जैसी ही है, इसके बावजूद बिल में भारी बढ़ोतरी हो रही है। महिलाओं ने कहा कि बढ़े हुए बिजली बिल के कारण घरेलू बजट प्रभावित हो रहा है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर को लेकर आम नागरिकों में नाराजगी बढ़ रही है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में लागू की गई बिजली बिल हाफ योजना से उपभोक्ताओं को राहत मिली थी, लेकिन भाजपा सरकार द्वारा इस योजना को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के माध्यम से अधिक बिजली बिल आने की शिकायतों को सरकार को गंभीरता से लेते हुए उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करनी चाहिए।

अभियान के दौरान नागरिकों में स्मार्ट मीटर बदलने के आवेदन फार्म भरने को लेकर उत्साह देखने को मिला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और उपभोक्ताओं की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा।

इस अवसर पर पुलगांव वार्ड के पार्षद अश्वनी निषाद, जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के उपाध्यक्ष अजय मिश्रा, महामंत्री विजय चंद्राकर, प्रकाश जोशी, गौरव उमरे, वार्ड 55 प्रभारी पिंटू यादव, पूर्व पार्षद अशोक मेहरा, खोरबाहरा निषाद, वार्ड अध्यक्ष जीतू निषाद, सचिव मुकेश राठी, भूपेंद्र भीमसेन, मनोज सिंह, मीना पाल, नीलू जेम्स, अनिल देशमुख, मुक्ति मसीह, संध्या वर्मा, चिराग शर्मा सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खास खबर

मिनीमाता की पुण्य स्मृति पर पुष्पांजलि अर्पित कर समाज के नारी शक्ति को किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्राम थनौद में छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद एवं महान समाजसेविका परम पूजनीय मिनीमाता की पुण्य स्मृति में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा और दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर जी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाडा व दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने व उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने मिनीमाता जी की प्रतिमा पर पूजा-अचर्ना कर पुष्पांजलि अर्पित उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।और उनके द्वारा किए गए कार्यो को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इसके पश्चात समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में अनुसूचित जाति प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाडा जी ने कहा कि ह्लमिनीमाता जी केवल सतनामी समाज की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की प्रेरणा हैं। उन्होंने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि सेवा और समर्पण से ही समाज में बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा और आत्मसम्मान के लिए प्रेरित किया। आज जरूरत है कि हम उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में समानता और भाईचारे को मजबूत करें। हमारी सरकार बाबा गुरु घासीदास और मिनीमाता जी के विचारों को आगे बढ़ाते हुए समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए संकल्पबद्ध है।मिनीमाता जी का जीवन वंचितों के उत्थान और नारी शक्ति का प्रतीक हैह्वआज हमें उनके बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।इस सफल आयोजन के लिए आप सभी सामाजिक जानो हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने अपने संबोधन में कहा कि मिनीमाता जी का संपूर्ण जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पहुंचाने के लिए समर्पित था। वे छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद थीं जिन्होंने संसद में दलित, शोषित और महिलाओं की आवाज को बुलंद किया। बाबा गुरु घासीदास जी के ह्यएक मानव, एक जाति, एक धर्म के संदेश को उन्होंने घर-घर तक पहुंचाया। मिनीमाता जी ने हमें सिखाया कि समाज तभी आगे बढ़ेगा जब हमारी माताएं-बहनें शिक्षित और सशक्त होंगी।

उन्होंने आगे कहा आज महिला सम्मान समारोह के माध्यम से हम उन्हीं के आदर्शों को आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार माताओं-बहनों के सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही है। महतारी वंदन योजना से लेकर महिला स्व-सहायता समूहों तक, हर क्षेत्र में नारी शक्ति को आगे बढ़ाया जा रहा है। मेरी सभी महिलाओं से अपील है कि आप शिक्षा लें, स्वावलंबी बनें और समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में आगे आएं। यही मिनीमाता जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सरपंच श्रीमती मेनका देशमुख, जिला पंचायत सभापति सुश्री प्रिया साहू, जिला पंचायत सभापति जितेन्द्र यादव, जनपद सदस्य संगीता साहू, पद्मश्री डॉ राधे श्याम बारले, सतनामी आश्रम कल्याण समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर बंजारे, कविता वासिनी, दिनेश देशमुख, उपसरपंच मनीष धृतलहरे, जेवरा सिरसा मंडल महामंत्री सुखनंदन देशमुख, अहिवारा मंडल अध्यक्ष रामजी निर्मलकर सहित समाज के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

हरियाली का संकल्प, न्यू कृषि मंडी से होगा वृहद वृक्षारोपण की शुरुआत

पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर आज होगा वृक्षारोपण कार्यक्रम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हरेली तिहार के पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए महापौर अलका बाघमार ने अपने कक्ष में अधिकारियों एवं कमर्चारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहे, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखरेख एवं सुरक्षा की भी जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए।

महापौर के निर्देशानुसार 12 अगस्त बुधवार को हरेली तिहार के अवसर पर न्यू कृषि मंडी, धमधा रोड, दुर्ग में प्रातः 10 बजे वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही शहर को अधिक हरा-भरा एवं स्वच्छ बनाने का संदेश देना है। बैठक के दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, पयर्वारण प्रभारी काशीराम कोसरे, नरेंद्र बंजारे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद गुलाब वर्मा, प्रभारी आयुक्त मोहेंद्र साहू, कायर्पालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उद्यान प्रभारी अनिल सिंह सहित अन्य मौजूद रहें।

कार्यक्रम को व्यापक एवं सुगम बनाने के लिए प्रभारी आयुक्त मोहेंद्र साहू द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कमर्चारियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन, स्थल व्यवस्था, पौधों की उपलब्धता, सुरक्षा, स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के लिए मो. सलीम सिद्दीकी, कायर्पालन अभियंता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कमर्चारी कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करेंगे।

नगर निगम द्वारा हरेली तिहार के अवसर पर शहरवासियों से भी अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने तथा पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की गई है। हरेली के पर्व पर एक पौधा प्रकृति के नाम का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण को जनअभियान का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

मीडिएशन 3.0 को प्रभावी बनाने जिला अधिवक्ता संघ से संवाद

"केस से पहले कन्वर्सेशन" - न्याय को तेज और रिश्तों को बचाने पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हर विवाद का निपटारा अदालत के फैसले से ही हो यह जरूरी नहीं है। एक बातचीत और निष्पक्ष संवाद वर्षो की मुकदमेबाजी से बेहतर समाधान दे सकता है। इसी सोच के साथ दुर्ग में मीडिएशन 3.0 को और प्रभावी बनाने के लिए जिला अधिवक्ता संघ के साथ संवाद किया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के. विनोद कुजूर ने अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर मध्यस्थता को बढ़ावा देने और अधिकाधिक उपयुक्त मामलों का समाधान संवाद से कराने पर चर्चा की। बैठक में जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के अध्यक्ष, सचिव, अन्य पदाधिकारी और अधिवक्ता उपस्थित रहे।

विवाद में जीत-हार से ज्यादा समाधान जरूरी: बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि हर विवाद में केवल यह न देखा जाए कि कौन जीतेगा और कौन हारेगा, बल्कि यह भी देखा जाए कि दोनों पक्ष मिलकर ऐसा समाधान निकाल सकते हैं जिसमें किसी की अनावश्यक हार न हो। के. विनोद कुजूर ने अधिवक्ताओं से अपील की कि वे ऐसे मामलों की पहचान करें जिनमें मध्यस्थता से पक्षकारों के बीच स्थायी और स्वीकार्य समाधान निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता केवल पक्षकार के प्रतिनिधि नहीं होते, बल्कि उन्हें पक्षकार को उपलब्ध सभी वैधानिक और प्रभावी समाधान विकल्पों से अवगत कराना भी उनकी जिम्मेदारी है।

मध्यस्थता समाधान की संस्कृति बने: मध्यस्थता केन्द्र प्रभारी दुर्ग अनिष दुबे ने अधिवक्ताओं को मध्यस्थता की व्यावहारिक प्रक्रिया और प्रभावी क्रियान्वयन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता का उद्देश्य किसी को हराना नहीं, बल्कि आपसी सहमति से विवाद खत्म करना है। अनिष दुबे ने अधिवक्ताओं से अपने प्रकरणों में मध्यस्थता की संभावनाएं तलाशने और पक्षकारों को इसके लाभ समझाने की अपील की। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि मध्यस्थता को सिर्फ कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि समाधान की संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का मानना है कि मीडिएशन 3.0 से न्याय प्रक्रिया तेज, सहज और रिश्तों को बचाने वाली बन सकेगी।

"सत्य के गर्भ से जन्मी श्रद्धा ही अटूट होती है" - मुनि दो मणिभद्र

जय आनंद मधुकर रतन भवन में आध्यात्मिक प्रवचन व नवकार महामंत्र जाप हुआ संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब में चल रही आध्यात्मिक प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत मानव मिलन के संस्थापक राष्ट्र संत मुनि दो मणिभद्र ने धर्म सभा को संबोधित किया। उन्होंने श्रद्धा और सत्य के संबंध पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुनि श्री ने कहा कि श्रद्धा का अर्थ है वह भावदशा जो सत्य से सृजित हुई है। श्रद्धा का जन्म सत्य के गर्भ से होता है। सत्य से समुत्पन्न श्रद्धा अकाट्य, अटूट और अटल होती है। उस श्रद्धा को कोई छीन नहीं सकता और न ही विचलित कर सकता है।

उन्होंने कहा कि सत्य से उत्पन्न श्रद्धा को भगवान महावीर ने सम्यक श्रद्धा कहा है।

सम्यक अर्थात जो सत्य से जन्मी है, जिसके मूल में सत्य स्थापित है। इसके विपरीत मान्यता से जन्मी श्रद्धा मिथ्या श्रद्धा है। मिथ्यात का अर्थ मान्यता है। जिसे जाना नहीं गया है और जो जीवन का सच नहीं हो सकता वही मिथ्यात है। मान्यता के गर्भ से निकली श्रद्धा कदम-कदम पर खंडित होती है और पग-पग पर ढह जाने के भय से भयभीत रहती है।

मुनि श्री ने कहा कि जगत के अधिकतम लोग मान्यता से उत्पन्न श्रद्धा को जीते हैं। इसलिए आए दिन श्रद्धा की अर्थियां उठती हैं। जरा सी हवा बहती है तो लोगों की आस्थाएं हिल जाती हैं। मान्यता से निर्मित श्रद्धा ने ही हमें आज तक भटकाए रखा है। रोज-रोज मान्यताएं बदलती हैं और रोज-रोज हमारी श्रद्धाएं खिसकती हैं।

नवकार महामंत्र जाप का अनुष्ठान

कार्यक्रम के दौरान भवन में प्रतिदिन एक घंटे तक नवकार महामंत्र का धारा प्रवाह जाप सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं के सहयोग से किया जा रहा है। आज के जाप के लाभार्थी रमेश कुमार, सुरेश कुमार बाघमार परिवार थे। आध्यात्मिक वातावरण में हुए इस अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

गुरु भक्तों के लिए आवास-प्रसादी की व्यवस्था

देश के विभिन्न शहरों से गुरु दर्शन और सेवा भक्ति के लिए आने वाले गुरु भक्त परिवारों के लिए संघ द्वारा संचालित भोजशाला में आवास एवं भोजन प्रसादी की सुंदर व्यवस्था की गई है। निर्मल एवं अशोक रतन बोहरा तथा उनकी टीम द्वारा इस व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

भारत माता के जयकारों से गूंजा दुर्ग ग्रामीण, उतई में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

विधायक ललित चंद्राकर ने हाथ में तिरंगा थामकर किया तिरंगा यात्रा का नेतृत्व

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारतीय जनता युवा मोर्चा उतई मंडल द्वारा उतई कॉलेज मैदान से एक भव्य एवं विशाल "तिरंगा यात्रा" का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने हाथ में तिरंगा थामकर किया।

उतई कॉलेज मैदान से प्रारंभ हुई यह तिरंगा यात्रा दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से होते हुए ग्राम उमरपोटी में संपन्न हुई। यात्रा में हाथों में तिरंगा लिए युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के नारों के साथ शामिल हुए।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि "तिरंगा हमारी आन, बान और शान है। यह यात्रा सिर्फ एक जुलूस नहीं, बल्कि देशभक्ति और एकता का प्रतीक है। 140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधने का काम हमारा तिरंगा करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के

आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान ने जन-जन को राष्ट्रभक्ति से जोड़ दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आज विकास और राष्ट्रवाद की नई ऊंचाइयां छू रहा है।"

उन्होंने आगे कहा "जब तिरंगा लहराता है तो प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान का भाव जागृत होता है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और एक सशक्त राष्ट्र के रूप में भारत की यात्रा का साक्षी है। तिरंगा हमें अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का भी स्मरण कराता है।" विधायक ने कहा "आज यहां स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, महिलाओं से लेकर युवाओं तक सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यही हमारे देश की असली ताकत है। शहीदों के बलिदान को याद कर हमें संकल्प लेना है कि हम देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाएंगे।"

उन्होंने प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों में पूरे सम्मान और गौरव के साथ तिरंगा फहराने तथा तिरंगा यात्राओं से जुड़कर राष्ट्रीय एकता के इस उत्सव को और भव्य बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष शीतला राजपूत, महामंत्री चंदू देवांगन, प्रवीण यदु, पूर्व केबिनेट मंत्री श्रीमती रमशीला साहू, सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, नगर पंचायत अध्यक्ष सरस्वती नरेन्द्र साहू, जिला मंत्री व मंडल प्रभारी शैलेन्द्र शेंडे, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष करण सेन, महामंत्री राकेश देवांगन, शुभम शर्मा, योगेश साहू, भूपेन्द्र साहू, पार्षदगण सोनू राजपूत, सतीश चंद्राकर, खूबीराम साहू, लता सोनवानी, संगीत रजक, विजय लक्ष्मी, अनिता, नीलम गढ़े, लक्ष्मीनारायण साहू, रुपेश पारख, हुबलाल चंद्राकर, रंजना चंद्राकर, एकता चंद्राकर, ममता चंद्राकर, विमला कामड़े, नरेन्द्र साहू, उपाध्यक्ष शिवनारायण देशमुख, भीमसेन सिन्हा, सुनीता चंद्राकर, शशिकांत शर्मा, चेतनलाल साहू, हरिश यादव, फत्तेलाल वर्मा, फलेन्द्र सिंह राजपूत, बृजमोहन साहू, देवेन्द्र भारती, राधेश्याम चंद्राकर, मोर्जध्वज वर्मा सहित बड़ी संख्या में मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के पहले पर्व हरेली पर मुख्यमंत्री निवास में सजी लोक संस्कृति की जीवंत झांकी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं, कृषि संस्कृति और ग्रामीण जीवन की आत्मा माने जाने वाले प्रथम पर्व हरेली का भव्य और सांस्कृतिक गरिमा से भरपूर आयोजन नया रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में उत्साहपूर्वक किया गया। आयोजन ने राजधानी में छत्तीसगढ़ के गांवों की सोंधी खुशबू और पारंपरिक जीवन शैली को साकार कर दिया। मुख्यमंत्री निवास परिसर को नीम और आम के पत्तों, गेंदे के फूलों तथा पारंपरिक ग्रामीण सजावट से विशेष रूप से सजाया गया था। प्रवेश द्वार से लेकर मुख्य परिसर तक छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक दिखाई दे रही थी। हरियाली, प्राकृतिक सजावट और लोक अलंकरण ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

हरेली पर्व के अवसर पर छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों का विशेष आकर्षण देखने को मिला। गेड़ी दौड़ ने लोगों में रोमांच और उत्साह भर दिया, वहीं बिल्लस, गोटी और बाटी जैसे ग्रामीण खेलों ने बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। इन खेलों के माध्यम से नई पीढ़ी को छत्तीसगढ़ की पारंपरिक खेल संस्कृति से परिचित कराने का संदेश भी दिया गया। आयोजन में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों की सुगंध चारों ओर फैल रही थी। ठेठरी, खुरमी, बड़ा सहित अनेक पारंपरिक पकवानों का स्वाद लोगों ने उत्साहपूर्वक लिया। ग्रामीण अंचलों में विशेष अवसरों पर बनाए जाने वाले इन व्यंजनों ने लोगों को अपने गांव और पारिवारिक उत्सवों की याद दिला दी।

लोक कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी लोकगीत और लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया। मांदर, ढोलक और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर कलाकार झूमते नजर आए। लोकधुनों पर उपस्थित जनसमूह भी तालियां बजाते और उत्साह से सहभागी बनते दिखाई दिए। आयोजन में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और लोक कला की समृद्ध परंपरा का प्रभावशाली प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण रहचुली रहा, जिसका आनंद बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने लिया। ग्रामीण मेलों और पारंपरिक उत्सवों की पहचान मानी जाने वाली रहचुली ने आयोजन में गांव के मेले जैसा आनंदमय वातावरण बना दिया।

हरेली पर्व मूलतः कृषि और प्रकृति से जुड़ा उत्सव है। इस दिन किसान अपने कृषि औजारों की पूजा कर अच्छी फसल और समृद्धि की कामना करते हैं। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित इस कार्यक्रम ने हरेली को केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक अस्मिता, कृषि परंपरा और सांस्कृतिक गौरव के उत्सव के रूप में प्रस्तुत किया।

नया रायपुर में आयोजित यह भव्य आयोजन इस बात का प्रतीक बना कि छत्तीसगढ़ अपनी आधुनिक विकास यात्रा के साथ-साथ अपनी लोक संस्कृति, पारंपरिक खेलों, खानपान और ग्रामीण विरासत को भी समान सम्मान और संरक्षण दे रहा है। हरेली महोत्सव ने राजधानी में उपस्थित लोगों को छत्तीसगढ़ की मिट्टी, हरियाली और लोक जीवन से गहराई से जोड़ने का कार्य किया।

खास खबर

कृषि, प्रकृति और लोकपरंपराओं से जुड़ा छत्तीसगढ़ का पहला तिहार हरेली हमारी सांस्कृतिक पहचान : राजेश अग्रवाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के प्रथम लोकपर्व हरेली तिहार के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की है कि हरेली का यह पावन पर्व छत्तीसगढ़ के प्रत्येक घर-परिवार में सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली लेकर आए तथा प्रदेश में हरियाली और विकास की नई ऊर्जा का संचार करे।

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, कृषि परंपरा और प्रकृति के प्रति गहरे जुड़ाव का पर्व है। यह तिहार हमारे किसान जीवन की उस परंपरा को अभिव्यक्त करता है, जिसमें कृषि उपकरणों, पशुधन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव निहित है। हरेली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी, मेहनत और लोकजीवन से जुड़ी हमारी सांस्कृतिक पहचान का उत्सव है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकपरंपराओं में प्रकृति और कृषि का विशेष स्थान रहा है। किसान परिवार हरेली के अवसर पर अपने कृषि उपकरणों की पूजा करते हैं और अच्छी फसल, सुख-समृद्धि तथा स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं। गौवंश और कृषि उपकरणों के प्रति सम्मान की यह परंपरा हमारी ग्रामीण संस्कृति की संवेदनशीलता और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन का संदेश देती है।

नई पीढ़ी तक पहुंचे छत्तीसगढ़ की गौरवशाली लोकपरंपराएं : राजेश अग्रवाल ने कहा कि तेजी से बदलते समय में हमारी लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है। हरेली जैसे लोकपर्व हमारी नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, अपनी मिट्टी और अपनी संस्कृति से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से हरेली तिहार को पारंपरिक उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाने तथा छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, परंपराओं और प्रकृति संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

हरेली की हरियाली, छत्तीसगढ़ की खुशहाली : संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हरेली का पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण, कृषि के सम्मान और सामूहिक खुशहाली का संदेश देता है। उन्होंने कामना की कि हरेली की हरियाली से छत्तीसगढ़ का प्रत्येक गांव और शहर समृद्ध हो तथा प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-शांति और खुशहाली का विस्तार हो। उन्होंने पुनः प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता, लोकपरंपराओं और सामाजिक सौहार्द को और अधिक मजबूत करे।

स्वतंत्रता की 80 वीं वर्षगांठ पर रायपुर में गूंजेंगी सीआरपीएफ बैंड की देशभक्ति धुनें

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस की 80वीं पावन वर्षगांठ के सुअवसर पर राजधानी रायपुर का कोना-कोना 'वंदे मातरम्' और 'आजादी का महोत्सव' के संगीतमय स्वरों से सराबोर होने जा रहा है। गृह मंत्रालय, भारत सरकार और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल महानिदेशालय के दिशा-निर्देशों के तहत ग्रुप केन्द्र सीआरपीएफ, रायपुर द्वारा शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, शैक्षणिक संस्थानों और मॉल में एक भव्य एवं आकर्षक 'बैंड डिस्प्ले' कार्यक्रम की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। 7 अगस्त से शुरू हुआ यह देशभक्ति पूर्ण संगीतमय सफर 15 अगस्त तक शहरवासियों को राष्ट्रीय भावना के अनूठे रंग में रंगता रहेगा।

जवानों के उत्कृष्ट बैंड दस्ते द्वारा प्रस्तुत की जा रही मनमोहक धुनों के माध्यम से जहाँ एक ओर देश के वीरों के शौर्य और बलिदान को नमन किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर आम जनता में देशभक्ति के प्रति एक नया उत्साह फूंकने का प्रयास हो रहा है। कार्यक्रम की रूपरेखा इस तरह तय की गई है कि शहर के अधिक से अधिक लोग इस गौरवमयी आयोजन के साक्षी बन सकें। सेरीखेड़ी में 12 अगस्त को जोरा मॉल में शाम 4 से 5 बजे तक खरीदारी और मनोरंजन के लिए आए परिवारों को देशप्रेम के गानों से मंत्रमुग्ध किया जाएगा। मोंटेसरी स्कूल जीसी में 13 अगस्त को सुबह 10 से 10:30 बजे तक विशेष बैंड प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह 14 एवं 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या तथा मुख्य पर्व पर अटल नगर स्थित बालको मेडिकल सेंटर में शाम 4 से 5 बजे तक राष्ट्रभक्ति धुनों का भव्य समापन होगा।

देशभक्ति से ओतप्रोत अप्रतिम उत्साह के साथ निकली तिरंगा यात्रा, उप मुख्यमंत्री हुए शामिल

लहराया गया 92 फीट का तिरंगा, तिरंगा यात्रा की ढाई किमी पैदल रैली में उत्साह और उमंग

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-कांकेर

उप मुख्यमंत्री तथा कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में कांकेर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। अप्रतिम उत्साह के साथ देशभक्ति से ओतप्रोत तिरंगा यात्रा की ढाई किमी पैदल रैली में जनप्रतिनिधि, पूर्व सैनिक, विद्यार्थी, अधिकारी-कर्मचारी और शहरवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए। विधायक आशाराम नेताम और छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत ने भी तिरंगा यात्रा में भागीदारी की।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में शासकीय नरहरदेव उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के खेल मैदान से शुरू हुई तिरंगा यात्रा नगर घड़ी चौक, ऊपर-नीचे रोड, मस्जिद चौक, गांधी चौक होते हुए नवनिर्मित मिनी स्टेडियम परिसर में सम्पन्न हुई। इसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, पूर्व सैनिकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, गणमान्य नागरिकों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारियों ने हाथ में राष्ट्र ध्वज लेकर उत्साह से भाग लिया।

यात्रा की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन से की गई। नागरिकों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर रैली में शामिल लोगों का स्वागत किया तथा देशभक्ति के नारे लगाए। नगरवासियों ने चॉकलेट व टॉफी बांटकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय तथा छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग के निर्देश पर वंदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के मौके पर इस जिला स्तरीय तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया था।

92 फीट तिरंगा बना आकर्षण का केंद्र

तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यार्थियों ने 92 फीट लंबा तथा 5 फीट चौड़ा तिरंगा का प्रदर्शन किया। शहर के विभिन्न मार्गों और चौक-चौराहों पर इसे लहराते हुए यात्रा निकाली गई, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। सेंट माइकल इंग्लिश स्कूल की बैंड टोली में शामिल छात्राओं ने राष्ट्रगीत की धुन पर वाद्य यंत्र बजाते हुए रैली में मार्चपास्ट किया। केंद्र शासन एवं राज्य शासन के निर्देश पर 9 अगस्त से 17 अगस्त तक ॾहर घर तिरंगाॿ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने एवं राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम के गायन के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे लोगों में देश भक्ति और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना जागृत हो।

कांकेर नगर पालिका के अध्यक्ष अरुण कौशिक, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी, कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, एसपी निखिल राखेचा, महेश जैन, सतीश लाटिया, राहुल टिकरिहा, राजा देवनानी, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती तारा ठाकुर, कांकेर नगर पालिका के उपाध्यक्ष उत्तम यादव, पूर्व विधायक श्रीमती सुमित्रा मारकोले, जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी और जिला शिक्षा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी रमेश निषाद भी तिरंगा यात्रा में मौजूद थे।

इको-टूरिज्म और वन्यजीव संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा : वन मंत्री कश्यप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर के दरभा क्षेत्र में तीन दिवसीय हरेली बर्ड फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने कहा कि बस्तर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध जैव विविधता के कारण देश के प्रमुख इको-टूरिज्म स्थलों में शामिल होने की क्षमता रखता है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह आयोजन पक्षी संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देगा। उन्होंने बताया कि बस्तर के वनों में कई दुर्लभ पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं और उनका संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हरेली बर्ड फेस्टिवल से इको-टूरिज्म को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को बर्ड गाइड, होम-स्टे, पर्यटन सेवाओं और प्रकृति आधारित आजीविका के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने ग्रामीणों से वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा में वन विभाग का सहयोग करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण पहल की गई। हरेली बर्ड फेस्टिवल का आधिकारिक लोगो जारी किया गया और मानव-हाथी द्वंद्व को कम करने के उद्देश्य से ॾगज संकेतॿ मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया। साथ ही बस्तर की प्राकृतिक विरासत पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक और अन्य प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राजकीय पक्षी बस्तर पहाड़ी मैना के संरक्षण पर विशेष प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर राज मोहिनी देवी सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत जून 2026 तक 1,233 हितग्राहियों को 17 करोड़ 9 लाख रुपये की सहायता राशि के वितरण की शुरुआत की गई।

कार्यक्रम के दौरान वन्यजीव संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले हाथी मित्र दल, मैना मित्र दल और गिद्ध मित्र दल के सदस्यों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर विधायक विनायक गोयल, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, अपर मुख्य सचिव वन मनोज कुमार पिंगुआ, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण कुमार पांडे, जगदलपुर महापौर संजय पांडे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पर्यावरणविद, ग्रामीण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संतोष में सुख, जागरूकता में शांति और सदाचार में जीवन की सार्थकता : अक्षयमुनिजी

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

समता भवन में चल रही चातुर्मास प्रवचन श्रृंखला में शासन दीपक अक्षयमुनिजी मसा ने कहा कि संतोषी सदा सुखी, चाह गई चिंता मिटी। उन्होंने कहा कि धन और संतोष का कोई सीधा संबंध नहीं है। धन कमाने के लिए कर्म और पुरुषार्थ आवश्यक हैं, लेकिन अन्याय और अनीति से अर्जित धन व्यक्ति को सुख के बजाय दुख की ओर ले जाता है।

अक्षयमुनिजी ने कहा कि व्यक्ति को क्रोध को केवल दबाने या हटाने के बजाय उसके प्रति जागरूक होना सीखना चाहिए। संवेदना में जीवन के फूल खिलते हैं, जबकि जड़ता व्यक्ति को भीतर से कमजोर करती है। उन्होंने नारी को घर की दुर्गा शक्ति बताते हुए कहा कि नारी घर, परिवार, समाज और देश की शान है। इसलिए नारी का सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि ज्योतिष, मंत्र-तंत्र और बाहरी प्रभाव आध्यात्मिक उन्नति का आधार नहीं हैं। व्यक्ति को अपने विवेक, चेतना और कर्मों पर ध्यान देना चाहिए। मिथ्यात्व से बाहर निकले बिना जीवन की वास्तविकता को समझना कठिन है। आज पूरा विश्व अशांति और युद्ध की अंधी दौड़ में है। ऐसे समय में बाहरी हिंसा के साथ-साथ अपने भीतर की हिंसा के प्रति भी चेतना जागृत करना आवश्यक है।

श्रावक के आदर्श जीवन का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि अच्छे मित्र पर अविश्वास नहीं करना चाहिए। अन्याय-अनीति से धन अर्जित करने से बचना चाहिए और शत्रु के साथ भी निर्दयता का व्यवहार नहीं करना चाहिए। परिवार की चुगली से बचते हुए जीवन में समता बनाए रखना चाहिए, क्योंकि समता ही सच्ची विजय का मार्ग है। उन्होंने कहा कि जीवन में कितने भी कष्ट आएं, आत्महत्या का विचार कभी नहीं करना चाहिए। अक्षयमुनिजी ने कहा कि व्यक्ति की पहचान उसके नाम से नहीं, बल्कि उसके कर्मों और गुणों से बनती है। अच्छे कर्म और पुण्य का उदय होने पर व्यक्ति को हर ओर सम्मान और यश प्राप्त होता है।

उपवास तपस्या का क्रम जारी

जैन संत अक्षयमुनिजी की प्रेरणा से उपवास तपस्या का क्रम भी निरंतर जारी है। मंगलवार को श्रीमती इंदिरा देवी बाफना ने 16, काजल नाहर ने 15, शर्मिला बाफना ने 14, प्रिया श्रीश्रीमाल एवं स्नेहल लोढ़ा ने 12-12, नमिता नाहटा ने 9 तथा अंकुश नाहटा, सौम्या और समृद्धि पारख ने 8-8 उपवास की तपस्या का प्रत्याख्यान लिया।

प्रवचन सभा में छत्तीसगढ़ के रायपुर, दुर्ग, नगरी सहित विभिन्न स्थानों के अलावा उदयपुर और ओडिशा से भी धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित रहे। दोपहर में धार्मिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, युवाओं और महिलाओं ने भाग लिया। सभा का संचालन ज्ञानचंद चोपड़ा ने किया।

ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर अहमदाबाद में मिला बेस्ट डिजाइन एंड डेकोरेशन अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस

राष्ट्रीय पर्यटन मंच पर छत्तीसगढ़ की चमक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की समृद्ध प्राकृतिक सुंदरता, लोक कला, संस्कृति और विरासत को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिल रही है। इसी क्रम में गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर कन्वेंशन एंड एग्जीबिशन सेंटर में 6 से 8 अगस्त तक आयोजित प्रतिष्ठित तीन दिवसीय ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर (टीटीएफ) अहमदाबाद-2026 में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ के आकर्षक, रचनात्मक और सुव्यवस्थित पवेलियन को बेस्ट डिजाइन एंड डेकोरेशन अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया। यह सम्मान फेयरफेस्ट मीडिया लिमिटेड के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव अग्रवाल द्वारा प्रदान किया गया।

यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ पर्यटन की राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता और प्रभावी पर्यटन प्रचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले भी विभिन्न राष्ट्रीय पर्यटन मेलों में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के पवेलियन को आकर्षण और प्रस्तुति के लिए सम्मान मिल चुका है। लगातार मिल रही इन उपलब्धियों से यह स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ अपने प्राकृतिक, सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन को प्रभावी ढंग से देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत कर रहा है।

26 पर्यटन साझेदारों ने साझा मंच से बढ़ाया व्यावसायिक नेटवर्क

टीटीएफ अहमदाबाद-2026 में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के साथ राज्य के 26 पंजीकृत पर्यटन साझेदारों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। छत्तीसगढ़ पवेलियन ने पर्यटन व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधियों, यात्रा एजेंटों और अन्य हितधारकों के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराया, जहां राज्य के पर्यटन स्थलों, पर्यटन सेवाओं और उपलब्ध सुविधाओं को राष्ट्रीय बाजार के सामने प्रस्तुत किया गया।

इस दौरान पर्यटन व्यवसाय के क्षेत्र में व्यवसाय से व्यवसाय स्तर पर संपर्क स्थापित करने, नए यात्रा साझेदारों से जुड़ने तथा छत्तीसगढ़ में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की संभावनाओं पर संवाद हुआ। राज्य के पर्यटन साझेदारों ने देश के विभिन्न हिस्सों से आए यात्रा एजेंटों और पर्यटन व्यवसायियों के साथ संपर्क स्थापित कर नए व्यावसायिक अवसरों की संभावनाएं तलाशीं।

प्राकृतिक सौंदर्य से लोक संस्कृति तक, पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र

छत्तीसगढ़ पवेलियन में राज्य की विशिष्ट पहचान को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। प्रदेश के प्राकृतिक पर्यटन स्थलों, जलप्रपातों, वन क्षेत्रों, जनजातीय संस्कृति, लोक कला, ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों और स्थानीय पर्यटन अनुभवों को एक ही मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

पवेलियन की साज-सज्जा में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय पहचान को प्रमुखता दी गई। यही रचनात्मक प्रस्तुति देशभर से पहुंचे पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधियों और आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी और छत्तीसगढ़ को बेस्ट डिजाइन एंड डेकोरेशन अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय मंचों पर लगातार मजबूत हो रही छत्तीसगढ़ पर्यटन की पहचान

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा देश के प्रमुख पर्यटन मेलों और आयोजनों में निरंतर सहभागिता के माध्यम से प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाया जा रहा है। पर्यटन मेलों में आकर्षक पवेलियन, प्रभावी प्रचार-प्रसार और निजी पर्यटन क्षेत्र की सहभागिता के माध्यम से राज्य को एक समग्र पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। टीटीएफ अहमदाबाद-2026 में मिला यह सम्मान इसी निरंतर प्रयास का परिणाम है। एक ओर जहां छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और प्राकृतिक विरासत ने देशभर का ध्यान आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर 26 पर्यटन साझेदारों की सहभागिता और नए यात्रा एजेंटों के जुड़ने से राज्य के पर्यटन उद्योग के लिए नए व्यावसायिक अवसर भी तैयार हुए हैं। टीटीएफ अहमदाबाद-2026 की यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ पर्यटन के लिए केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि प्रदेश की पर्यटन पहचान, निजी क्षेत्र की सहभागिता और राष्ट्रीय पर्यटन बाजार में बढ़ती स्वीकार्यता का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

नए ट्रैवल एजेंट्स के जुड़ने से पर्यटन कारोबार को मिलेगा विस्तार

टीटीएफ अहमदाबाद के दौरान देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए अनेक नए यात्रा एजेंटों ने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के साथ पंजीकरण कराया। इससे प्रदेश के पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय पर्यटन बाजार से जोड़ने और अधिक से अधिक पर्यटकों को छत्तीसगढ़ की ओर आकर्षित करने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। नए यात्रा एजेंटों के जुड़ने से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों के लिए नए भ्रमण पैकेज तैयार करने, पर्यटकों तक पर्यटन उत्पादों की पहुंच बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर पर्यटन आधारित रोजगार एवं व्यवसाय के अवसरों को विस्तार देने में मदद मिलेगी।

संपादकीय

काम वही अच्छा होता है जिसका असर बरसों रहे

राजनीति में परम लक्ष्य होता है चुनाव जीतना। कहने को कहा जाता है कि हम देश व जनता के लिए काम कर रहे हैं, उनके हित में काम कर रहे हैं लेकिन जो कुछ कहा जाता है,किया जाता है वह चुनाव जीतने के लिए किया जाता है। जो कुछ समय समय पर कहा जाता है,किया जाता है हर वर्ग के वोटरों को प्रभावित करने के लिए किया जाता है ताकि राजनीतिक दलों को उस वर्ग का वोट ज्यादा मिले। राजनीतिक दल सभी बड़े मतदाता वर्ग को प्रभावित करने कई तरह से कोशिश करते है और कोशिश तो वही अच्छी होती है जिससे मतदाता वर्ग प्रभावित होता है ।मतदाता वर्ग जिससे ज्यादा प्रभावित होता है चुनाव में उसे वोट देता है ताकि वह उनके लिए पहले की तरह अच्छा काम करता रहे। यानी चुनाव में मतदाता अच्छा काम करने वाले को चुनता है इसलिए चुनता है कि उसने अच्छा काम किया है और भविष्य में भी अच्छा काम करे।

जंतर मंतर में जेन जी के आंदोलन से सभी राजनीतिक दलों को पता चला है कि देश का जेन जी देश में शिक्षा,परीक्षा,रोजगार को लेकर नाराज है ।सारे राजनीतिक दल अपने अपने ढंग से उनसे संवाद करने,उनकी नाराजगी के कारणों को जानने,उसे दूर करने का प्रयास कर रहे हैं क्योंकि जेनजी भी एक बड़ा वोट बैंक है, एक बड़ा वोट बैंक आने वाले समय में बन सकता है ।सब जानते हैं कि जेनजी उस पीढ़ी को कहते हैं जो 1997 से 2012 के बीच पैदा हुए। 1997में पैदा होने वाले तो वोटर हैं और 2012 में पैदा होने वाले अगले चार साल में वोटर हो जाएंगे ।वोटर और होने वाला वोटर नाराज हो जाए तो सबको चिंता होना जरूरी है क्योंकि वह भी तो राजनीतिक दलों की हार-जीत में अहम भूमिका निबाह सकता है।

देश में सबसे बड़े व पुराने राजनीतिक दल तो दो ही हैं एक कांग्रेस है और एक भाजपा है ।कांग्रेस आजादी के बाद बरसों सत्ता में रही है और 2014 के बाद अब केंद्र व कई राज्यों में सत्ता से बाहर है और वह फिर से सत्ता में आना चाहती है। भाजपा 2014 के बाद से केंद्र व कई राज्यों में सत्ता में है और आने वाले कई दशक तक सत्ता में रहना चाहती है। दोनो जेनजी को प्रभावित करने की कोशिश पिछले महीने से करने की कोशिश कर रहे हैं। दोनो को कोशिश करने का तरीका अलग है। दोनो के तरीकों में जमीन आसमान का अंतर है। कांग्रेस और राहुल गांधी का प्रयास है कि सरकार और गृहमंत्री को जेनजी के साथ बुरा व्यवहार करने वाले के तौर पर प्रचारित किया जाए ।इसलिए उसका पूरा जोर इस बात पर है कि शांतिपूर्ण आंदोलन करने वालों को प्रताड़ित करने वाली सरकार है, गृहमंत्री है ।कांग्रेस की कोशिश से जेनजी को वतर्मान में तो ऐसा लग तो सकता है कि सरकार ने उनके साथ बुरा व्यवहार किया है लेकिन इसका असर ज्यादा दिन तक रहने वाला नहीं है।

वहीं मोदी सरकार भी जेनजी संवाद कर एहसास कराने में सफल रही है,उसे पता है कि जेनजी क्या चाहती है और सरकार ने कुछ कर दिया है और कुछ आने वाले समय मे करने वाली है। जहां तक आंदोलन के दौरान पुलिस से मारपीट,तोड़फोड़,पथराव का सवाल है तो सरकार के साथ ही सुप्रीमकोर्ट ने साफ कर दिया है कि ऐसा जेनजी के साथ नहीं किया गया है, ऐसा तो असामाजिक तत्वों के साथ किया और आगे भी उनके खिलाफ कानूनी कारर्वाई की जाएगी। राहुल गांधी पैलेट गन चलाने के बड़ा मुद्दा बना रहे थे तो सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि पुलिस मौके के हिसाब से पैलेट गन भी चला सकती है। राहुल गांधी देश को बताना चाहते हैं कि जेनजी पर पैलेट गन चलाया गया है तो सरकार व सुप्रीम कोर्ट की तरफ से साफ कर दिया है कि इसका उपयोग हिंसा करने वालों को खिलाफ किया जाता है,किया गया है और आगे भी किया जाएगा।

राहुल गांधी संसद के बाहर व भीतर दिल्ली के प्रदर्शनकारियों पर पैलेट चलाने के मामले में सवाल करते रहे हैं कि पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया है ।वह पूरी कोशिश करते रहे कि गृहमंत्री अमित शाह को वह संसद में बयान देने के लिए मजबूर कर दें,इसके लिए वह कई दिनों से संसद नहीं चलने दे रहे हैं,मांग कर रहे हैं कि अमित शाह संसद में आकर बताएं कि पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया है। अमित शाह को राहुल गांधी संसद आने को मजबूर नहीं कर सके हैं। पुराने पुलिस अधिकारियों की तरफ से यह साफ कर दिया गया है कि प्रदर्शन के दौरान जो आदेश दिया जाता है वह एसडीएम देता है। उसके लिए गृहमंत्री को आदेश देने की जरूरत नहीं होती है। राहुल गांधी की कोशिश तब सफल होती जब अमित शाह संसद में आकर बयान देते ।अमित शाह ने कुछ कहा नहीं है इसलिए राहुल गांधी जो चाहते थे वह हो नही पाया है ।कुल मिलाकर राहुल गांधी ने जो किया है उसे जेनजी आने वाले समय में भूल जाएंगे लेकिन मोदी सरकार ने जो कानून बनाया है जो व्यवस्था करने वाली है उसे आने बरसों तक वह याद करेंगे ।राहुल गांधी व मोदी में फर्क यह है कि राहुल गांधी जो कुछ करना चाहते है वतर्मान के लिए करते हैं और मोदी उसे बरसों के लिए करते हैं इसलिए राहुल गांधी की कोशिश को महीनों,बरसों बाद कोई याद नहीं करता है,मोदी की कोशिश बरसों याद की जाती है।

12 अगस्त : विश्व हाथी दिवस की पूर्व संध्या पर

नाना और लॉरेंस : विश्वास, प्रेम और विदाई की वह कहानी जिसे दुनिया कभी नहीं भूलेगी

नई दृष्टिबिंदु / नितिन सिंघवी, वन्यजीव प्रेमी

12 अगस्त को विश्व हाथी दिवस मनाते समय यदि किसी एक कहानी ने पूरी दुनिया को यह सिखाया है कि प्रेम और विश्वास की कोई भाषा नहीं होती, तो वह है दक्षिण अफ्रीका के थुला थुला प्राइवेट गेम रिजर्व की प्रसिद्ध हथिनी नाना और महान संरक्षणवादी लॉरेंस एंथोनी की कहानी। यह केवल एक मनुष्य और एक जंगली हाथी के बीच मित्रता की कहानी नहीं, बल्कि धैर्य, करुणा, कर्तव्यनिष्ठा और अटूट विश्वास की ऐसी गाथा है, जिसने लाखों लोगों को वन्यजीवों को देखने का नजरिया बदल दिया।

सन् 1999 में दक्षिण अफ्रीका में एक जंगली हाथियों के झुंड को "समस्याग्रस्त झुंड" घोषित कर दिया गया था। यदि उन्हें कोई सुरक्षित स्थान नहीं मिलता, तो उन्हें मार दिया जाता। इस झुंड का नेतृत्व उसकी निर्भीक और बुद्धिमान मुखिया (Matriarch) नाना कर रही थी। उस समय नाना के साथ उसके परिवार के छह अन्य हाथी थे। इन सातों हाथियों के सामने उनकी पूर्व मुखिया और उसके शावक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस दर्दनाक घटना ने पूरे परिवार को भयभीत और असुरक्षित बना दिया था। वर्षों तक मनुष्यों से मिले इन कटु अनुभवों ने नाना का विश्वास लगभग समाप्त कर दिया था। वह केवल अपने परिवार की सुरक्षा चाहती थी।

जब इस परिवार को थुला थुला लाया गया, तब वहाँ एक भी हाथी नहीं था। उस समय तक लॉरेंस हाथियों के बारे में लगभग कुछ भी नहीं जानते थे। नाना ने इस स्थान को अपना घर मानने से इंकार कर दिया। कुछ ही दिनों में उसने लगभग 8000 वोल्ट की विद्युत बाड़ तोड़ दी और पूरे परिवार को लेकर रिजर्व से बाहर निकल गई। वह उसी दिशा की ओर बढ़ रही थी, जहाँ के जंगल से उसे पकड़कर लाया गया था। यदि हाथी आबादी वाले क्षेत्रों में पहुँच जाते, तो उनके मारे जाने की पूरी संभावना थी। लॉरेंस ने वन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर अथक प्रयास किए और पूरे हाथी परिवार को सुरक्षित वापस थुला थुला लाने में सफलता प्राप्त की।

नाना की स्वतंत्रता छीनकर उसे रोकना आसान था, लेकिन लॉरेंस ने इसके बजाय धैर्य और विश्वास का कठिन रास्ता चुना। उन्होंने नाना को हराने की नहीं, बल्कि उसके भीतर छिपे भय और अविश्वास को दूर करने की कोशिश की। वे बाड़ के पास खड़े होकर उससे धीरे-धीरे बात करते रहे। जब तक नाना और उसका परिवार शांत नहीं हो गया, तब तक लॉरेंस हर रात वहीं बाड़ के पास ही रहे। न उन्होंने उसे डराया, न दंड दिया। उन्होंने केवल धैर्य रखा। धीरे-धीरे नाना को एहसास होने लगा कि यह मनुष्य उन लोगों जैसा नहीं है, जिन्होंने उसके जीवन में केवल भय और पीड़ा दी थी। उसके भीतर उसे पहली बार खतरा नहीं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा और अपनापन दिखाई दिया।

नाना और लॉरेंस एंथोनी। नाना के पीछे उसका शावक खड़ा है। जंगल में अपने शावक के साथ मादा हाथी को बेहद खतरनाक माना जाता है, लेकिन लॉरेंस के साथ नाना बिल्कुल शांत दिखाई दे रही है।

लेकिन कुछ समय बाद नाना एक बार फिर अपने परिवार के साथ बाड़ तोड़कर बाहर निकलने वाली थी। इस बार भी लॉरेंस ने विश्वास का सहारा लिया। वे अकेले नाना के सामने जाकर खड़े हो गए और उससे बार-बार कहते रहे—

"नाना, ऐसा मत करो... मेरी बच्ची, ऐसा मत करो। यही तुम्हारा घर है। प्लीज यहाँ से मत जाओ। यदि तुम बाड़ तोड़कर बाहर निकलोगी, तो वे तुम सबको मार डालेंगे। अब तुम्हें कहीं भागने की जरूरत नहीं है। यदि तुम बाहर गईं, तो तुम सब मारे जाओगे। यहीं रहो। मैं तुम्हारे साथ हूँ और हमेशा तुम्हारे साथ रहूँगा। यह जगह तुम्हारे और तुम्हारे परिवार के लिए सुरक्षित है।" एंथोनी बार-बार कहते रहे, "यदि तुम चली गईं, तो तुम सब मर जाओगे। यहीं रहो। मैं तुम्हारे साथ यहीं रहूँगा। यह एक अच्छी जगह है।" नाना ने बाड नहीं तोड़ी।

कुछ दिनों बाद जब लॉरेंस ने देखा कि पूरा परिवार शांत हो चुका है और थुला थुला को अपना घर स्वीकार कर लेगा, तब उन्होंने बाड़ का द्वार खोल दिया। परन्तु कुछ समय बाद नाना पूरे परिवार के साथ, फिर गेम रिजर्व की विद्युत-तारों वाली बाड़ तोड़कर बाहर जाने लगी। तब लॉरेंस उसके बिल्कुल सामने, कुछ फीट की दूरी पर जाकर खड़े हो गए और फिर वही बातें दोहराने लगे— "नाना, ऐसा मत करो... मत करो।" नाना ने लॉरेंस की ओर देखा और दोनों लगभग दस मिनट तक एक-दूसरे की आँखों में देखते रहे।

उसी क्षण सब कुछ बदल गया। नाना कुछ देर तक शांत खड़ी रही, फिर मुड़ी और अपने पूरे परिवार को लेकर वापस गेम रिजर्व के भीतर चली गई। इसके बाद से आज तक यह हाथी परिवार लगभग 55 वर्ग किलोमीटर के इस रिजर्व में स्वतंत्र रूप से रह रहा है और उसने फिर कभी रिजर्व की बाड़ तोड़कर बाहर निकलने का प्रयास नहीं किया। यह किसी प्रशिक्षण की नहीं, बल्कि विश्वास की जीत थी। यही वह क्षण था, जब एक मनुष्य और एक जंगली हथिनी के बीच ऐसा रिश्ता बना, जिसकी मिसाल आज भी पूरी दुनिया में दी जाती है।

समय बीतता गया और नाना तथा लॉरेंस एंथोनी के बीच ऐसा रिश्ता बन गया, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। जब भी लॉरेंस एंथोनी गेम रिजर्व के जंगल में जाते, नाना उनसे मिलने आ जाती और उन्हें अपनी सूँड से सूँघती। परन्तु वन्यजीव संरक्षण के सिद्धांतों का सम्मान करते हुए लॉरेंस एंथोनी ने नाना से मिलना-जुलना भी कम कर दिया, ताकि उसका मनुष्यों के प्रति लगाव और अधिक न बढ़े और और वह अपनी प्राकृतिक स्वतंत्र अवस्था में रह सके। थुला थुला के कमर्चारियों ने कई बार एक आश्चर्यजनक बात देखी। जब भी लॉरेंस एंथोनी किसी यात्रा पर बाहर जाते और वापस लौटने वाले होते, नाना के नेतृत्व में हाथियों का परिवार गेम रिजर्व में, उनके घर के पास आकर खड़ा हो जाता था, मानो वे अपने प्रिय मित्र की प्रतीक्षा कर रहे हों। यह आज तक कोई नहीं समझ पाया कि हाथियों को कैसे पता चल जाता था कि लॉरेंस वापस आने वाले हैं। शायद यह उनकी अद्भुत संवेदनशीलता थी, शायद उनका गहरा लगाव, या शायद प्रकृति का कोई ऐसा रहस्य, जिसे हम आज भी पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं।

2 मार्च 2012 को लॉरेंस एंथोनी का अचानक हृदयाघात से निधन हो गया। इसके बाद जो घटना हुई, उसने पूरी दुनिया को भावुक कर दिया। नाना के नेतृत्व में हाथियों का परिवार स्वयं उनके गेम रिजर्व स्थित घर पहुँचा और लंबे समय तक वहाँ शांत खड़ा रहा, मानो वे अपने उस मित्र को अंतिम विदाई देने आए हों, जिसने कभी उनके जीवन की रक्षा की थी। इस घटना ने दुनिया भर के लोगों को झकझोर दिया। आज भी इस घटना से जुड़े वीडियो YouTube पर लाखों लोग देखते हैं और हर बार यह एहसास होता है कि प्रेम, सहानुभूति और विश्वास केवल मनुष्यों की भावनाएँ नहीं हैं।

वर्षों के साथ नाना वृद्ध होती गई। बढ़ती आयु में उसे मोतियाबिंद हो गया और उसकी एक आँख की दृष्टि चली गई। तब उसने अपने परिवार के नेतृत्व की जिम्मेदारी अपनी विश्वसनीय उत्तराधिकारी फ्रैंकी को सौंप दी। बाद में फ्रैंकी की मृत्यु के पश्चात उसकी बेटी मारुला आज इस ऐतिहासिक हाथी परिवार की नई मातृसत्ता है। नाना आज लगभग 62 वर्ष की है। समय के साथ इस परिवार में नए शावकों का जन्म हुआ और अन्य हाथी भी इसमें शामिल हुए। आज थुला थुला में 28 हाथी हैं।

आज भी थुला थुला प्राइवेट गेम रिजर्व का संचालन लॉरेंस एंथोनी की पत्नी फ्रांकोइस एंथोनी उसी समर्पण और संरक्षण की भावना के साथ कर रही हैं, जिसे लॉरेंस एंथोनी ने अपने जीवन का उद्देश्य बनाया था। नाना, मारुला और उनका परिवार आज भी वहाँ आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यह संदेश देता है कि प्रकृति पर अधिकार नहीं, बल्कि उसके साथ विश्वास का रिश्ता बनाया जा सकता है।

लॉरेंस एंथोनी की प्रसिद्ध पुस्तक The Elephant Whisperer केवल एक हाथी परिवार की कहानी नहीं है। यह उनके वन्यजीवों के प्रति अथाह प्रेम, धैर्य, साहस और संरक्षण के प्रति समर्पण का जीवंत दस्तावेज है। पूरी पुस्तक में अनेक ऐसी घटनाओं का उल्लेख है, जो पाठक को यह महसूस कराती हैं कि यदि मनुष्य प्रेम, सम्मान और धैर्य के साथ प्रकृति के पास जाए, तो जंगल भी उसे अपना लेते हैं। पुस्तक के कई प्रसंग इतने मार्मिक हैं कि वे पाठक की आँखें नम कर देते हैं।

विश्व हाथी दिवस पर नाना और लॉरेंस एंथोनी की यह कहानी हमें यह सिखाती है कि विश्वास कभी शक्ति से नहीं जीता जाता, बल्कि करुणा, धैर्य और निस्वार्थ प्रेम से अर्जित किया जाता है। आज जब हाथी अपने अस्तित्व की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, तब यह कहानी हमें याद दिलाती है कि एक संवेदनशील मनुष्य केवल एक हाथी परिवार ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सोच बदल सकता है।

लेखक की टिप्पणी : कुछ समय पूर्व मुझे अपनी पत्नी के साथ थुला थुला जाने का सौभाग्य मिला। सफारी के दौरान हमारी लैंड रोवर लगभग आधे घंटे तक मारुला और उसके परिवार के बीच खड़ी रही। उस दौरान मारुला स्वयं हमारी गाड़ी के बिल्कुल पास आई। उसने अपनी शांत आँखों से मेरी पत्नी को देखा और फिर अपनी सूँड से बड़े स्नेह और जिज्ञासा के साथ सूँघा। उस समय मारुला और मेरी पत्नी के बीच की दूरी लगभग तीन इंच रही होगी। वह क्षण अविस्मरणीय था— आखिर वह उसी हाथी परिवार की सदस्य थी, जिसे लॉरेंस एंथोनी ने थुला थुला में बसाया था। बस एक कसक रह गई कि हम नाना से नहीं मिल पाए; उस दिन वह जंगल में कहीं दूर थी।

हरेली तिहार : छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति, लोकजीवन और पर्यावरणीय चेतना का पर्व

वंदना चौधरी

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपरा में हरेली तिहार का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। सावन मास के कृष्ण पक्ष अमावस्या को मनाया जाने वाला यह पर्व प्रदेश का प्रथम त्यौहार माना जाता है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत, उनकी आस्था और प्रकृति के प्रति उनके गहरे संबंध की अभिव्यक्ति है।

हरेली तिहार का आगमन सावन की हरियाली के बीच होता है। खेतों में लहलहाती धान, पेड़ों की नई डालियाँ और वातावरण में फैली ताजगी इस पर्व को विशेष रंग प्रदान करती हैं। किसान अपने कृषि उपकरणों की विधिवत सफाई कर उनकी पूजा करते हैं। हल, दरांती, बैलगाड़ी और अन्य औजारों को पवित्र मानकर उनकी आराधना की जाती है। यह परंपरा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि श्रम और साधनों के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

इस दिन खेतों में जाकर फसल की पूजा की जाती है। विशेष रूप से एक कांटेदार पौधा लगाया जाता है और उसे फूल व अक्षत से पूजित किया जाता है। यह परंपरा इस विश्वास पर आधारित है कि इससे फसल को हानिकारक कीटों और बीमारियों से बचाव होता है। दीपक और धूप जलाकर किसान प्राथर्ना करते हैं कि बोई गई फसल अच्छी हो और घर में कभी अन्न की कमी न हो।

हरेली तिहार का एक और महत्वपूर्ण पहलू है पालतू पशुओं का सम्मान। गाय-भैंस जैसे पशुओं को पकवान और प्रसाद खिलाया जाता है। यह मान्यता है कि इससे पशु स्वस्थ रहते हैं और रोगों से सुरक्षित रहते हैं। किसान जानते हैं कि पशु उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं और उनकी सेवा से ही कृषि कार्य संभव होता है।

लोकजीवन में हरेली तिहार का सबसे रोचक आकर्षण है 'गेंडी चढ़ना'। बच्चे और युवा 20 से 25 फीट ऊँची गेंडी बनाकर गाँव में घूमते हैं। यह खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि संतुलन, साहस और सामूहिक आनंद का प्रतीक है। गेंडी पर चढ़कर गाँव की गलियों में घूमना उत्सव का उल्लास फैलाता है। गाँवों में इस अवसर पर विभिन्न खेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है।

हरेली तिहार का पर्यावरणीय महत्व भी कम नहीं है। इस दिन घरों के दरवाजों पर, गाड़ी पर नीम की टहनियाँ टांगी जाती हैं, जो स्वास्थ्य का प्रतीक है। यह परंपरा बताती है कि प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण ही जीवन की सुरक्षा है। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का यह पर्व किसानों की मेहनत, उनकी आस्था और प्रकृति के प्रति सम्मान का अद्भुत संगम है। सावन मास में हर वर्ष पूरे उत्साह और धूमधाम से मनाया जाने वाला यह त्यौहार प्रदेश की पहचान और सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत बनाए रखता है।

हरेली तिहार हमें यह संदेश देता है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य ही जीवन की समृद्धि और सुरक्षा का आधार है। यह पर्व केवल छत्तीसगढ़ की परंपरा नहीं, बल्कि भारतीय कृषि संस्कृति का जीवंत उदाहरण है, जो हमें याद दिलाता है कि धरती, पशु और औजारों का सम्मान ही हमारी समृद्धि का मार्ग है।

विष्णु सरकार ने बढ़ाया किसानों का मान-खेती किसानी को मिला नया संबल

छगन लाल लोन्हारे, संयुक्त संचालक, जनसंपर्क

छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति परंपरा व आस्था से जुड़ा है हरेली तिहार

प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। गांव, गरीब और किसान सरकार की पहली प्राथमिकता में हैं। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन ढाई साल के अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर 141 .05 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदीकर न सिर्फ किसानों को मान बढ़ाया, बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही किसानों के खाते में रमन सरकार के पिछले दो वर्ष का बकाया धान के बोनस 3716.38 करोड़ रूपए अंतरित कर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि भारत गांवों में बसता है। जब किसान खुशहाल होंगे तो प्रदेश का व्यापार, उद्योग बढेग़ा।

परंपरा के अनुसार वर्षों से छत्तीसगढ़ के गांव में अक्सर हरेली तिहार के पहले बढ़ई के घर में गेड़ी का ऑर्डर रहता था और बच्चों की जिद पर अभिभावक जैसे-तैसे गेड़ी भी बनाया करते थे। हरेली तिहार के दिन सुबह से तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाते हैं और खेती-किसानी, औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को साफ कर घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं की साथ पूजा करते हैं। गांवों के गुड़ी में ठाकुरदेव की पूजा की जाती है।

हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधि युक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है। गांव में यादव समाज के लोग वनांचल जाकर कंदमूल लाकर हरेली के दिन किसानों को पशुओं के लिए वनौषधि उपलब्ध कराते हैं। गांव के सहाड़ादेव अथवा ठाकुरदेव के पास यादव समाज के लोग जंगल से लाई गई जड़ी-बूटी उबाल कर किसानों को देते हैं। इसके बदले किसानों द्वारा चावल, दाल आदि उपहार में यादवों को भेंट करने की परंपरा रही हैं।

सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को हरेली पर्व मनाया जाता है। हरेली का आशय हरियाली ही है। वर्षा ऋतु में धरती हरा चादर ओड़ लेती है। वातावरण चारों ओर हरा-भरा नजर आने लगता है। हरेली पर्व आते तक खरीफ फसल आदि की खेती-किसानी का कार्य लगभग हो जाता है। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धोकर, धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ का चीला भोग लगाया जाता है। गांव के ठाकुर देव की पूजा की जाती है और उनको नारियल अर्पण किया जाता है।

हरेली तिहार के साथ गेड़ी चढ़ने की परंपरा अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवारों द्वारा गेड़ी का निर्माण किया जाता है। परिवार के बच्चे और युवा गेड़ी का जमकर आनंद लेते है। गेड़ी बांस से बनाई जाती है। दो बांस में बराबर दूरी पर कील लगाई जाती है। एक और बांस के टुकड़ों को बीच से फाड़कर उन्हें दो भागों में बांटा जाता है। उसे नारियल रस्सी से बांधक़ र दो पउआ बनाया जाता है। यह पउआ असल में पैर दान होता है जिसे लंबाई में पहले कांटे गए दो बांसों में लगाई गई कील के ऊपर बांध दिया जाता है। गेड़ी पर चलते समय रच-रच की ध्वनि निकलती हैं, जो वातावरण को और आनंददायक बना देती है। इसलिए किसान भाई इस दिन पशुधन आदि को नहला-धुला कर पूजा करते हैं। गेहूं आटे को गूंथ कर गोल-गोल बनाकर अरंडी या खम्हार पेड़ के पत्ते में लपेटकर गोधन को औषधि खिलाते हैं। ताकि गोधन को रोगों से बचाया जा सके। गांव में पौनी-पसारी जैसे राऊत, लोहार व बैगा हर घर के दरवाजे पर नीम की डाली खोंचते हैं। गांव में लोहार अनिष्ट की आशंका को दूर करने के लिए चौखट में कील लगाते हैं। यह परम्परा आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यमान है।

पिहले के दशक में गांव में बारिश के समय कीचड़ आदि हो जाता था उस समय गेड़ी से गली का भ्रमण करने का अपना अलग ही आनंद रहता था। गांव-गांव में गली कांक्रीटीकरण से अब कीचड़ की समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। हरेली के दिन गृहणियां अपने चूल्हे-चौके में कई प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाती है। किसान अपने खेती-किसानी के उपयोग में आने वाले औजार नांगर, कोपर, दतारी, टंगिया, बसुला, कुदारी, सब्बल, गैती आदि की पूजा कर छत्तीसगढ़ी व्यंजन गुलगुल भजिया व गुड़हा चीला का भोग लगाते हैं। इसके अलावा गेड़ी की पूजा भी की जाती है। शाम को युवा वर्ग, बच्चे गांव के गली में नारियल फेंक और गांव के खेल मैदान में कबड्डी आदि कई तरह के खेल खेलते हैं। बहु-बेटियां नए वस्त्र धारण कर सावन झूला, बिल्लस, खो-खो, फुगड़ी आदि खेल का आनंद लेती हैं।

हरेली तिहार सामाजिक समरसता का प्रतीक है यह केवल धार्मिक या कृषि पर्व नहीं है यह समाज के सभी वर्गों को एक साथ जोड़ने का माध्यम है। गांव के लोग मिल-जुलकर पूजा और कार्यक्रमों का आयोजन करते है। इस दिन परिवार में सुख-समृद्धि की कामना के साथ ही प्रकृति और पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है।

दुर्ग पुलिस ने ऑनलाइन पुलिसिंग में उत्कृष्ट अधिकारियों को किया गया सम्मानित

ए-चाजर्शीट, ए-साक्ष्य, ए-समंस और CCTNS में बेहतर प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारी व विवेचक हुए पुरस्कृत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस द्वारा तकनीक आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन विवेचना और डिजिटल कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारियों एवं विवेचकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने समारोह में अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया।

इन कार्यों के लिए हुए सम्मानित

समीक्षा में निम्नलिखित डिजिटल प्लेटफॉर्म पर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य करने वाले अधिकारियों को चिन्हित किया गया:

- ऑनलाइन डायरी, ए-चाजर्शीट, ए-प्रॉसिक्यूशन, ए-साक्ष्य, ए-साइन
- FSL, MLC/PMR, मालखाना, VCNB, F-6, CCTNS की ऑनलाइन प्रविष्टियां और रिपोर्ट लिंकिंग
- BNS के प्रकरणों में 60/90 दिवस की वैधानिक समय-सीमा में चालान प्रस्तुत करना
- ए-समंस तामीली

सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी

1. निरीक्षक नवीन राजपूत, थाना कोतवाली दुर्ग — ऑनलाइन डायरी एंट्री, FSL एंट्री, VCNB एंट्री एवं II F-6 फॉर्म में उत्कृष्ट कार्य
2. निरीक्षक केशव राम कोसले, थाना मोहन नगर — सर्वाधिक ऑनलाइन ए-चार्जशीट प्रस्तुत करने में उत्कृष्ट
3. उप निरीक्षक गुरविंदर सिंह, थाना पुलगांव — सर्वाधिक ऑनलाइन ए-प्रॉसिक्यूशन दर्ज करने में उत्कृष्ट
4. निरीक्षक जितेन्द्र वर्मा, थाना भिलाई नगर — DGP/IGP डैशबोर्ड में सर्वाधिक ऑनलाइन एंट्री
5. निरीक्षक शिव नारायण सिंह, थाना सुपेला — मालखाना एंट्री, II F-6 एंट्री, सर्वाधिक ए-साइन, FSL भेजने एवं MLC/PMR रिपोर्ट प्राप्त करने में उत्कृष्ट
6. उप निरीक्षक राम नारायण ध्रुव, थाना छावनी — ए-चाजर्शीट एवं MLC/PMR रिपोर्ट में उत्कृष्ट
7. निरीक्षक राकेश खुटेश्वर, थाना जामुल — सर्वाधिक ऑनलाइन ए-साक्ष्य दर्ज करने में उत्कृष्ट
8. निरीक्षक राजेश मिश्रा, थाना पाटन — ए-साइन, ए-चाजर्शीट एंट्री तथा इठर प्रकरणों में 60/90 दिन में सर्वाधिक चालान
9. निरीक्षक बसंत बघेल, थाना अमलेश्वर — VCNB एंट्री एवं सर्वाधिक ए-समंस तामील
10. निरीक्षक तारिक खान, थाना जामगांव आर — ए-समंस, ए-चाजर्शीट तथा 60/90 दिन में सर्वाधिक चालान
11. निरीक्षक महेश ध्रुव, थाना धमधा — ए-प्रॉसिक्यूशन एवं DGP/IGP डैशबोर्ड एंट्री में उत्कृष्ट
12. मोहन भारद्वाज, थाना उतई — DGP/IGP डैशबोर्ड में सर्वाधिक ऑनलाइन एंट्री
13. अनिल पटेल, थाना नंदिनी — CCTNS में ए-साक्ष्य की ऑनलाइन एंट्री में उत्कृष्ट

पुलिस अधीक्षक का संदेश

एसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि दुर्ग पुलिस तकनीक आधारित पुलिसिंग, गुणवत्तापूर्ण विवेचना और प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण को प्राथमिकता दे रही है। ऑनलाइन कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने के लिए सभी अधिकारियों को निर्धारित कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। दुर्ग पुलिस का उद्देश्य डिजिटल साक्ष्यों के प्रभावी संधारण और विवेचना की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना है।

खास खबर

सीएसवीटीयू में नवप्रवेशियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम : 'भारतीय ज्ञान परंपरा और मानवीय मूल्य' विषय पर हुआ व्याख्यान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू), भिलाई के विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग (यूटीडी) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान परंपरा और मानवीय मूल्य' विषय पर विशेष व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम कुलपति प्रो. (डॉ.) अरुण अरोरा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

तकनीकी शिक्षा के साथ नैतिकता भी जरूरी : कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शासकीय दूधाधारी श्री वैष्णव स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर के संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रवीण कुमार झाड़ी रहे। डॉ. झाड़ी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल प्राचीन सिद्धांतों एवं ग्रंथों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक उत्कृष्ट पद्धति है। इसमें ज्ञान, विज्ञान, नैतिकता और मानवीय मूल्यों का समन्वय है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ नैतिकता, अनुशासन, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों का विकास भी आवश्यक है। इससे विद्यार्थी भविष्य में केवल कुशल तकनीकी विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक भी बन सकेंगे।

डॉ. झाड़ी ने सत्य, कर्तव्य, अनुशासन, सह-अस्तित्व और मानवता जैसे मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रगति तभी सार्थक है जब उसका उपयोग समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए किया जाए।

विद्यार्थियों ने बताया प्रेरणादायी : कार्यक्रम में यूटीडी के निदेशक डॉ. पंकज मिश्रा, विभागाध्यक्ष डॉ. जे. पी. पात्रा, डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. शिवांगी चंद्राकर एवं डॉ. योगेश वर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण और बड़ी संख्या में नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत प्रेरणादायी, ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया।

अवैध मदिरा के विरूद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई, दो आरोपी हुए गिरफ्तार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के दिशा-निर्देश व प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टोफर खलखो के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त आबकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार 9 अगस्त को सूचना के आधार पर आबकारी विभाग जिला दुर्ग वृत-भिलाई 04 के द्वारा त्वरित विधिवत कार्रवाई कर आरोपी सुनिल सेन, शांति नगर कुम्हारी, थाना-कुम्हारी के कब्जे से 96 पाव देशी मदिरा मसाला शोले मात्रा 17.280 बल्क लीटर (बाजार मूल्य 9,600-रूपये) मदिरा एवं दुपहिया वाहन क्रमांक सी.जी. 07 सी.एक्स. 3841 (बाजार मूल्य 40,000-रुपये) जब्त किया गया। इसी प्रकार 10 अगस्त 2026 को सूचना के आधार पर आबकारी विभाग जिला दुर्ग वृत-दुर्ग पूर्व के द्वारा त्वरित विधिवत कार्यवाही कर आरोपी कृष्णा ढीमर, निवासी-शिव पारा वार्ड नंबर 33 दुर्ग, थाना-सिटी कोतवाली जिला-दुर्ग के कब्जे से 35 पाव देशी मदिरा मसाला शोले मात्रा 6.300 बल्क लीटर (बाजार मूल्य 3,500-रूपये) मदिरा एवं दुपहिया वाहन क्रमांक सी.जी. 07 एल.डी. 9455 (बाजार मूल्य 15,000-रूपये) जप्त किया गया। दोनों आरोपियों के विरूद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (2) के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल किया गया। प्रकरणों की विवेचना आबकारी उप निरीक्षक श्रीमती कीर्ति ठाकुर एवं श्रीमती गीतांजली तारम द्वारा की जा रही है। प्रकरण में आबकारी मुख्य आरक्षक विजय कुमार वर्मा, आबकारी आरक्षक खिलेश ध्रुव, लोचन कुमार, कोमल प्रिया तिर्की, मीनाक्षी साहू, चंद्रकांत साहू, प्रीति भगत एवं ड्राइवर प्रकाश राव, दीपक दुर्गेश का विशेष योगदान रहा।

सम्मान समारोह कार्यक्रम :"व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़" : सांसद विजय बघेल

नई दिल्ली में 45वें राष्ट्रीय व्यापारी दिवस सम्मेलन में हुए शामिल, 30 राज्यों के व्यापारी

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा आयोजित 45वें राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के अवसर पर कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के मावलंकर हॉल, संसद मार्ग में व्यापारी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मेलन में देश के 30 राज्यों से आए उद्योगपतियों एवं व्यापारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित भी किया गया।

व्यापारी बढ़ाएंगे तो देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी

सम्मेलन को संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। व्यापार बढ़ेगा तो देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति देशवासियों का विश्वास बढ़ाने में उद्योग एवं व्यापार जगत का महत्वपूर्ण योगदान है।

"देश के व्यापारी और उद्योगपति आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। व्यापार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन देश का व्यापारी हर परिस्थिति में आगे बढ़ने का प्रयास करता है," सांसद बघेल ने कहा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और व्यापार को सुगम बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। व्यापारियों की मेहनत और उद्यमशीलता देश की आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है।

मेघवाल रहे मुख्य अतिथि

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल के साथ केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी मौजूद रहे।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता, व्यापारी कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय चेयरमैन सुनील संघवी सहित संगठन के पदाधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल

सम्मेलन में छत्तीसगढ़ से भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अशोक मोदी, प्रदेश चेयरमैन सुधीर बंसल, राजेश बंसल, हेमचंद्र जोशी, हरीश पटवाल, अनिल अग्रवाल, प्रहलाद खंडेलवाल, पवन कुमार, नरेश गोयल, मुकुंद मिश्रा, हेमंत गुप्ता, मोहन गुरुनानी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं उद्योगपति शामिल हुए। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री मुकुंद मिश्रा ने कहा कि संगठन व्यापारियों और सरकार के बीच सेतु का कार्य कर रहा है। देश का व्यापार बढ़ेगा तो अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

सम्मेलन में व्यापार एवं उद्योग के विकास, व्यापारियों की समस्याओं तथा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में व्यापार जगत की भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई।

ASI-SEPA के तहत लाइव सर्जरी से 40 युवा सर्जनों को मिला प्रशिक्षण, राज्य में अपनी तरह का पहला आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, भिलाई में एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के स्किल एन्हांसमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत इंग्वाइनल हनिर्या विषय पर विशेष शैक्षणिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

9 अगस्त को हुए इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवा एवं नवोदित सजर्नों को ऑपरेशन थिएटर में लाइव सर्जिकल प्रक्रिया का अवलोकन और विशेषज्ञों से सीधे संवाद का अवसर मिला। आयोजन की दृष्टि से यह क्षेत्र में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम था।

40 डेलीगेट्स ने ली सहभागिता : कार्यक्रम में कोरबा, महासमुंद, रायपुर, कोंडागांव सहित राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 40 डेलीगेट्स शामिल हुए। इसका उद्देश्य युवा सजर्नों को इंग्वाइनल हनिर्या के उपचार में अपनाई जाने वाली आधुनिक शल्य तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी देना और उनके कौशल को सुदृढ़ करना था।

लाइव डेमोंस्ट्रेशन से मिला व्यावहारिक ज्ञान: कार्यक्रम में विशेषज्ञ फैकल्टी डॉ. मनीष देवांगन, डॉ. पराग गुप्ता, डॉ. तरुण नायक, डॉ. राजेश सिन्हा एवं डॉ. वैशाली भगत ने इंग्वाइनल हनिर्या के उपचार की विभिन्न शल्य तकनीकों का लाइव प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को ओपन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जरी दोनों प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया। विशेषज्ञों ने सर्जरी के प्रत्येक चरण और तकनीकी पहलुओं को विस्तार से समझाया तथा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताते हुए इसकी सराहना की।

अस्पताल प्रबंधन ने की सराहना : कार्यक्रम के कोर्स कोऑर्डिनेटर एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष देवांगन ने आयोजन की सफलता के लिए जेएलएन अस्पताल के शीर्ष प्रबंधन का आभार जताया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार, डॉ. संबिता पंडा एवं पूर्व सीएमओ डॉ. के. ठाकुर के मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। एनेस्थीसिया विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ. तनुजा आनंद के नेतृत्व में डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. निलेश चंद्र एवं डॉ. शिखा अग्रवाल की टीम ने भी सक्रिय सहयोग किया। पैरामेडिकल टीम का भी आयोजन में उल्लेखनीय योगदान रहा।

बीएसपी में 7 गैर-संकार्य कार्मिक कर्म शिरोमणि पुरस्कार से किए गए सम्मानित

नवाचार और उच्च सुरक्षा मानकों के लिए मिला सम्मान, उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा कार्यस्थल पर नवाचार, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और उच्च सुरक्षा मानकों के पालन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले गैर-संकार्य क्षेत्र के 7 कामिर्कों को "कर्म शिरोमणि पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह इस्पात भवन सभागार में आयोजित किया गया।

इन कार्मिकों को मिला सम्मान, गैर संकार्य क्षेत्र से चयनित कार्मिक :
- छत्रपाल सिंह राणा - ऑफिस एसोसिएट, मानव संसाधन
- हरबंश लाल पोतरा - चाजर्मैन कम सीनियर टेक्नीशियन, नगर सेवाएँ
- त्रिभुवन नाथ परगनिहा - इंजीनियरिंग एसोसिएट, नगर सेवाएँ
- रविशंकर दास - इंजीनियरिंग एसोसिएट, नगर सेवाएँ
- कमला वी. वर्गीस - सेक्शन ऑफिसर, मानव संसाधन
- किरण गुप्ता - सेक्शन एसोसिएट, परियोजनाएँ
- वीवीएसएस राव - सेक्शन ऑफिसर, सतकर्ता

चयनित कार्मिकों को मुख्य महाप्रबंधक सतकर्ता एवं अतिरिक्त मुख्य सतकर्ता अधिकारी सुनील सिंघल, महाप्रबंधक प्रभारी मानव संसाधन जेएन ठाकुर तथा महाप्रबंधक प्रभारी नगर सेवाएँ ए. बी. श्रीनिवास ने सम्मानित किया।

पुरस्कार में क्या मिलता है : इस योजना के अंतर्गत पुरस्कृत कामिर्कों को उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह और उनके जीवनसाथी के लिए प्रशंसा-पत्र प्रदान किए गए। साथ ही विजेता कामिर्कों के छायाचित्र संबंधित विभागों के सूचना पटल पर प्रदर्शित किए जाएंगे।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक सतकर्ता रेणु गुप्ता, महाप्रबंधक परियोजनाएँ ए. डी. मिश्रा, उप महाप्रबंधक नगर सेवाएँ डी. सी. सिंह, सुनील क्षीरसागर, सहायक महाप्रबंधक नगर सेवाएँ किशोर कुमार झा, पूरण लाल साहू तथा उप प्रबंधक मानव संसाधन-नगर सेवाएँ के. संगीता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक मानव संसाधन-गैर संकार्य जया राय ने किया। आयोजन में एडमिनिस्ट्रेटिव एसोसिएट एच.आर.-गैर संकार्य देवेन्द्र कुमार सिन्हा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। क्या महिलाओं के नाम के आगे भी "सुश्री" हटाना है या वही रहने दूं?

आध्यात्मिक वर्षावास राष्ट्र संत मणिभद्र मुनि ने दिए सादगी, संयम और सहयोग के संस्कार, तपस्वियों ने लिए उपवास के संकल्प, समाज से की सेवा की अपील

"दूसरों के दुर्भाग्य को अपना सौभाग्य समझना सबसे बड़ा दुर्भाग्य"

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

बांधा तालाब स्थित जय आनंद मधुकर रतन भवन में चल रहे आध्यात्मिक वर्षावास के अंतर्गत आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्र संत मानव मिलन के संस्थापक मणिभद्र मुनि जी महाराज ने कहा कि दूसरों के दुर्भाग्य को अपना सौभाग्य समझना ही सबसे बड़ा दुर्भाग्य है।

मुनिश्री ने कहा कि साधु-संत अपनी प्रतिज्ञा के कारण किसी भी ऐसी वस्तु को ग्रहण नहीं करते जो उन्हें दी नहीं गई हो। सार्वजनिक वस्तु को भी बिना अनुमति नहीं लेते। साधु जीवन में सूक्ष्म से सूक्ष्म अदत्तादान से भी बचने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि गृहस्थ के लिए साधु जैसी कठोर मर्यादाएं संभव नहीं हैं, लेकिन श्रावक को भी प्रयास करना चाहिए कि वह किसी की वस्तु बिना अनुमति न ले और न ही किसी के अधिकार का अनुचित लाभ उठाए। दूसरे के अधिकार का सम्मान करना ही अच्छे संस्कारों की पहचान है।

राष्ट्र संत ने कहा कि हमें कभी किसी दूसरे की परेशानी, कमजोरी या नुकसान का फायदा नहीं उठाना चाहिए। हमारा सुख और सफलता किसी दूसरे के दुख का कारण नहीं बनना चाहिए। साथ ही अपनी क्षमता और संपन्नता का जरूरत से ज्यादा प्रदर्शन भी उचित नहीं है। कई बार आवश्यकता से अधिक दिखावा परेशानी और असफलता का कारण बन जाता है। इसलिए जीवन में सादगी, संयम और संतोष अपनाना चाहिए।

उन्होंने समाज और संघ के प्रति दायित्व का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज ने हमें आगे बढ़ने और आर्थिक स्थिति मजबूत करने में सहयोग दिया है। इसलिए जब भी समाज या संघ को आवश्यकता हो, हमें अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग करना चाहिए।

तपस्वियों ने बढ़ाया उपवास का क्रम

धर्मसभा में तपस्या की अनुमोदना का विशेष अवसर रहा। तपस्वियों ने राष्ट्र संत के हाथों उपवास आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

- श्री टीकाराम जी - 16 उपवास
- पूनम देशलहरा, भूमिका पारख, सुनीता भंडारी, मंजू संचेती - 14 उपवास
- खुशबू बाघमार - 13 उपवास
- शुभम, रतन बोहरा, स्तुति पारख, संयमी पारख - 6 उपवास

उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने सभी तपस्वियों की सुखसाता पूछकर तप की अनुमोदना की और उत्साहवर्धन किया। तपस्वियों के सम्मान एवं तप की अनुमोदना के निमित्त घीसूलाल पारख परिवार तथा रमेश एवं सुरेश बाघमार ने नवकार महामंत्र जप अनुष्ठान का लाभ लिया।

---

14 अगस्त को भिलाई में होगा 'वसुंधरा सम्मान और संगोष्ठी' का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

लोकजागरण की संस्था वसुंधरा और श्री चतुर्भुज मेमोरियल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्व. देवी प्रसाद चौबे की 50वीं पुण्यतिथि पर "वसुंधरा सम्मान एवं वैचारिक संगोष्ठी" का आयोजन शुक्रवार 14 अगस्त को किया जाएगा। आयोजन महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में दोपहर 3.30 बजे होगा। समारोह छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष डा. अरुण कुमार श्रीवास्तव और सचिव श्वेता उपाध्याय ने बताया कि समारोह में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत समारोह अध्यक्षता करेंगे। समारोह में सांस्कृतिक पत्रकारिता के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक समय से कार्यरत श्री राजेश गनोदवाले को 26वां वसुंधरा सम्मान प्रदान किया जाएगा। संगोष्ठी में "भारतीय ज्ञान परम्पराः संदर्भ संस्कृति, इतिहास एवं पत्रकारिता" विषय पर दो व्याख्यान होंगे। नागरीप्रचारिणी सभा काशी के प्रधानमंत्री एवं सुविख्यात लेखक व्योमेश शुक्ल तथा छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष एवं पत्रकार शशांक शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करेंगे। समारोह में अमर पंडवानी गायिका तीजन बाई की स्मृति को समर्पित कृति "वसुंधरा विशेषांक" और छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति पर आधारित कृति "बहुमत विशेषांक" का लोकार्पण भी किया जाएगा। छत्तीसगढ़ की जानी-मानी लोकगायिका रजनी रजक राज्यगीत प्रस्तुत करेंगी।

पति कबीर खान को 'द अलायंस' में इन्वेस्टेड देखना सरप्राइजिंग था

टेलीविजन होस्ट और अभिनेत्री मिनी माथुर ने वेब रियलिटी शो 'द अलायंस' की ट्रॉफी अपने नाम की। अभिनेत्री ने हालिया बातचीत में अभिनेत्री की ये जीत उनके साथ-साथ पूरे परिवार के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं थी। अभिनेत्री ने बताया कि उनके ये काफी सरप्राइजिंग था कि पति-फिल्ममेकर कबीर खान इस शो के लिए इतना इमोशनली इन्वेस्टेड थे। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, ''द अलायंस' मेरे साथ-साथ परिवार के लिए भी बहुत बड़ी बात थी। क्योंकि उन्होंने कभी मुझसे ये उम्मीद नहीं की थी कि मैं अपने फोन, अपनों और डेली रूटीन के बिना शो की चुनौतियों को मैनेज कर पाऊंगी। जब मैं शो से वापस घर आई, तो मैं यह देखकर हैरान हो गई थी कि कबीर शो में कितना इन्वेस्टेड हो गया था। हर कंटेस्टेंट के हर मूव पर चर्चा करने के लिए फैमिली व्हॉट्सअप पर अनगिनत बातें होती थीं। मुझे सच में अपने करियर में कोई दूसरा प्रोजेक्ट याद नहीं है, जिसमें कबीर इतना इमोशनली इन्वेस्टेड हो।'

मिनी माथुर ने आगे कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि मेरे परिवार और पति को मुझ पर बहुत गर्व है। सच कहूं तो, सब कुछ अभी भी अजीब लगता है। मैं अभी घर से बाहर निकली ही थी और मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि बाहर लोग मेरे बारे में क्या कह रहे हैं। इस पूरे अनुभव ने मेरी पूरी जिंदगी को एक नई दिशा दी है।' शो 'द अलायंस' की ट्रॉफी मिलने के बारे में मिनी माथुर ने कहा, 'मैंने इस गेम को बहुत अलग तरीके से खेला था। मुझे कभी भी चीखने, चिल्लाने, फालतू की पॉलिटिक्स करने या सबके काम में दखल देने की जरूरत नहीं पड़ी। मेरी सबसे बड़ी ताकत यह थी कि मुझे एरीना चैलेंज सच में पसंद आए। मैं बहुत कॉम्पिटिटिव इंसान हूं, और इसीलिए मैं इस रियलिटी शो में आई। मैंने अपना गेम खेलने पर फोकस किया, साथ ही हेडक्वार्टर के सारे ड्रामा को अपने पर्सनल मोरल कंपास के हिसाब से हैंडल किया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने कभी किसी को अकेला नहीं किया, न ही मैं बेवजह झगड़ों में पड़ी। मेरी किसी से कोई बड़ी बहस भी नहीं हुई। जब भी मुझे लगा कि अपनी राय बताना जरूरी है, मैंने वैसा ही किया।'

रेमो डिसूजा की अगली एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी नुसरत भरुचा

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और निर्देशक-कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा एक बार फिर एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर के लिए साथ आ रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है और वो नाम है फैशन दीवा नुशरत भरुचा का, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आएंगी। पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, निर्माता ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे जो अपने किरदार में मजबूती के साथ भावनात्मक गहराई भी ला सके और नुसरत भरुचा इस भूमिका के लिए उनकी पहली पसंद साबित हुईं। सूत्र ने बताया, 'टीम ऐसे कलाकार की तलाश में थी जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों ला सके। नुसरत शुरू से ही सबसे मजबूत विकल्पों में थीं। फिलहाल इस फ़िल्म में उनका किरदार बेहद प्रभावशाली है और दर्शक उन्हें बिल्कुल नए अंदाज में देखेंगे।'

हालांकि निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नुसरत की भूमिका कहानी का अहम हिस्सा होगी और वह पारंपरिक हीरोइन से कहीं आगे जाकर कहानी को नई दिशा देती नजर आएंगी। यह पहली बार होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, टाइगर और रेमो डिसूजा लगभग एक दशक बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 2016 में रिलीज़ हुई सुपरहीरो फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में साथ काम किया था।

'ए फ्लाइंग जट्ट' के बाद फिर साथ आए टाइगर और रेमो

टाइगर श्रॉफ और रेमो डिसूजा की पिछली फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में टाइगर ने अमन ढिल्लों का किरदार निभाया था, जो एक रहस्यमयी घटना के बाद सुपरपावर्स हासिल कर सुपरहीरो बन जाता है और खलनायक राका से मुकाबला करता है। फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार नेथन जोन्स, के.के. मेनन, अमृता सिंह और गौरव पांडे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में थे। आने वाली इस फिल्म में टाइगर एक बार फिर दमदार एक्शन अवतार में नजर आएंगे, जबकि नुसरत का किरदार भी कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और रिलीज डेट को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

टाइगर और नुसरत के आगामी प्रोजेक्ट्स

टाइगर श्रॉफ हाल ही में निर्देशक ए. हर्षा की फिल्म 'बागी 4' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, हरनाज संधू, सोनम बाजवा और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी थे। वहीं नुसरत भरुचा की हालिया रिलीज़ कॉमेडी-थ्रिलर 'उफ्फ ये सियापा' थी, जिसमें उन्होंने सोहम शाह के साथ स्क्रीन शेयर की थी। रेमो डिसूजा, टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा की यह नई साझेदारी दर्शकों के लिए एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव साबित हो सकती है। दमदार एक्शन, नई स्टारकास्ट और दिलचस्प कहानी के साथ यह फिल्म पहले से ही काफी चर्चा बटोर रही है।

अनुपम खेर ने बोमन ईरानी का जताया आभार

अभिनेता अनुपम खेर की आगामी फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग पूरी चुकी है। अभिनेता अनुपम खेर ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए रैपअप की जानकारी दी। अभिनेता ने अपनी इस पोस्ट के जरिए अपने साथी-कलाकार बोमन ईरानी की जमकर सराहना की। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर रैप-अप पार्टी की वीडियो पोस्ट की। इसमें अभिनेता बोमन ईरानी को खास मित्र और साथ काम करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

अनुपम खेर ने लिखा, 'खुराना साहब की फिल्म रैप। मंगलवार रात मेरे दोस्त बोमन ईरानी की फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग पूरी हो गई है। एक ऐसे आदमी के बारे में क्या कहा जा सकता है, जिसके पास सब कुछ हो, टैलेंट, विनम्रता, उदारता, समझदारी और एक बड़ा दिल।'

अभिनेता अनुपम खेर ने फिल्म में अपने और बोमन ईरानी के बीच के रिश्ते को मजाकिया अंदाज में समझाते हुए लिखा, 'फिल्म में हमारा रिश्ता हमारे ऑफ-स्क्रीन रिश्ते से बिल्कुल अलग है। फिल्म में, वह डराने वाले, बेरहम और कभी न भूलने वाले खुराना साहब हैं। असल जिंदगी में, वह सबसे प्यारे, दयालु और सबसे उदार दोस्तों में से एक हैं, जिनकी कोई उम्मीद कर सकता है।'

उन्होंने बोमन ईरानी की प्रशंसा करते हुए लिखा, 'बोमन के साथ काम करना मेरे लिए हमेशा शानदार अनुभव रहा है। सिनेमा की उनकी समझ, तैयारी, हर छोटी-छोटी बात पर उनका ध्यान और हर सीन को और बेहतर बनाने की उनकी काबिलियत कमाल की है। वहीं, टेक के बीच, फिल्मों, जिंदगी या वर्ल्ड बिल्डिंग या शतरंज के खेल पर बात कर रहे हों, उनके साथ हर पल खुशी से भरा था।' उन्होंने आगे लिखा, 'फिल्म 'खोसला का घोसला 2' स्केल, इमोशन और दांव के मामले पर बड़ा है और हां, खुराना साहब भी बड़े हैं। बोमन ईरानी आप आपने अपनी काबिलियत को स्क्रिन पर और अपनी दोस्ती को मेरी जिंदगी में लेकर आए, जिसके लिए आपका तहे दिल से धन्यवाद। आपके साथ फ्रेम शेयर करना हमेशा

मेरे लिए खुशी की बात होती है

प्रशांत बांगिया द्वारा निर्देशित फिल्म 'खोसला का घोसला 2' साल 2006 की चर्चित कल्ट कॉमेडी फिल्म 'खोसला का घोसला' का आगामी सीक्वल है। फिल्म में अनुपम खेर के अलावा, बोमन ईरानी, रणवीर शौरी, प्रवीण डबास, दिव्या खोसला, रवि किशन और किरण जुनेजा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

जिया शंकर ने की सगाई

लिखा-प्यार तब मिलता है जब आप...

अभिनेत्री जिया शंकर की सगाई हो गई है। 5 अगस्त को जिया ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करके यह खबर दी। उन्होंने अपने मंगेतर की भी तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक प्यारा सा कैप्शन लिखा है। इस मौके के लिए जिया ने हल्के पीले रंग का साटन गाउन पहना। उनके मंगेतर ने कढ़ाई वाली शर्ट और सफेद ट्राउजर पहनी। जिया ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि सूर्यास्त का समय है। एक तस्वीर में जिया की डायमंड सगाई की अंगूठी साफ दिख रही है। एक और तस्वीर में, वह अपने मंगेतर के साथ बगीचे में हाथ में हाथ डाले चल रही हैं। एक और तस्वीर में वह एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं।

सगाई की तस्वीरों के साथ जिया ने लिखा 'शायद यह सच है, प्यार तब मिलता है, जब आप इसकी सबसे कम उम्मीद करते हैं, लेकिन भगवान ने यहां सच में मेरे सब्र का इम्तिहान लिया। यह आसान नहीं था, लेकिन किसी तरह यह हो गया। आपके साथ हुई हर बातचीत, भले ही आप मुझसे हजारों मील दूर थे, घर जैसा एहसास देती थी। यह सफर आसान नहीं था लेकिन हमने हर दिन एक-दूसरे को चुना।'

इंतजार का मिला फल

उन्होंने यह भी लिखा, 'आपने मुझे वह प्यार दिया जिसका मैंने पूरी जिंदगी इंतजार किया। आपने मुझे मेरे सबसे मुश्किल दिनों में हंसाया। एयरपोर्ट पर विदाई के समय हर बार मुझे थोड़ा और कसकर गले लगाया, जैसे आपका दिल हजारों टुकड़ों में टूट रहा हो। हम दुनिया में कहीं भी हों, घर कोई जगह नहीं, बल्कि हमेशा आप ही रहे हैं।'

मैं चाहती हूं कि मेरे पापा का नाम आने वाली पीढ़ियां याद रखें

खुशाली कुमार ने कहा- जब लोग मुझे गुलशन जी की बेटी बोलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि मुझे बचपन से मम्मी की साड़ी काटकर ड्रेसेज बनाने का शौक भी था तो उन्हें लगा कि मैं उस पेशे में अच्छा करूंगी। उन्होंने कहा- जब हमने पापा को खोया, मेरा भाई भूषण कुमार तब बहुत ही कम उम्र था। वो मुश्किल से 18 साल का था तो इतने बड़े साम्राज्य का बोझ संभालना आसान नहीं।

'मुझे बहुत गर्व है कि मैं अपने पापा (गुलशन कुमार) की बेटी हूं। जब लोग मुझे गुलशन जी की बेटी बोलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। हम तीनों भाई-बहन यही चाहते हैं कि हम अपने पापा के नाम से जाने जाएं।' यह कहना है भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री में क्रांति लाने वाले निर्माता स्वर्गीय गुलशन कुमार की बेटी खुशाली कुमार का। करीब 30 साल पहले एक दुर्भाग्यपूर्ण वारदात में जान गंवाने वाले गुलशन कुमार के तीनों बच्चे- भूषण कुमार, तुलसी कुमार और खुशाली कुमार, अपने-अपने क्षेत्र में नाम कमा रहे हैं। भूषण फिल्म निर्मात हैं, तुलसी सिंगर हैं और खुशाली एक्टिंग में नाम कमा रही हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में खुशाली ने हमसे अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने और एक्टिंग करियर में देरी से एंट्री पर बेबाक और बेहद भावुक बातचीत की। जिस तरह बड़े पेड़ के नीचे छोटे पौधे ठीक से पनप नहीं पाते, उसी तरह अक्सर देखा जाता है कि मशहूर भाई-बहन की छांव तले छोटे को अपनी जगह बनाने के लिए ज्यादा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में, 'पापा गुलशन कुमार की बनाई फिल्मी विरासत और मशहूर निर्माता भाई भूषण कुमार और गायिका बहन तुलसी कुमार की प्रसिद्धि के चलते खुशाली को किस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ा? इस सवाल पर उन्होंने कहा, पहले तो मुझे अपने पापा की बेटी होने पर बहुत गर्व है। मैं चाहती हूं कि मेरे पापा का नाम आने वाली पीढ़ियां याद रखें, क्योंकि उन्होंने धर्म से लेकर म्यूजिक, समाज सबके लिए इतना कुछ किया है। उन्होंने म्यूजिक को आम आदमी तक पहुंचाया है तो मैं चाहती हूं कि हर कोई उन्हें याद रखे। दूसरे, मेरा मानना है कि एक ऐक्टर के तौर पर मेरा सफर बहुत खूबसूरती से आगे बढ़ रहा है। लोग मेरी जर्नी पहली फिल्म धोखा: राउंड द कॉर्नर से यहां तक देख रहे हैं लेकिन मैं अपना सफर वहां से देख रही हूं जब एक छोटी बच्ची ने ऐक्टर बनने का सपना देखा था और आज मैं फिल्में कर रही हूं तो यह मेरे लिए बहुत स्पेशल है। मैं अपनी जर्नी को लेकर बहुत खुश हूं। मुझे इस पर गर्व है।'

जब हमने पापा को खोया मेरा भाई कम उम्र का था

खुशाली ने ऐक्टिंग में कदम थोड़ी देरी से रखा। इसकी वजह पूछने पर उन्होंने बताया, 'जब आप ऐक्टर बनने के लिए घरवालों को बोलते हैं तो इतनी जल्दी सपोर्ट नहीं मिलता है। मेरे पापा बहुत सपोर्टिव थे। वह बहुत दबंग थे, मगर मेरी मम्मी बहुत सारी चीजों में थोड़ी कंजर्वेटिव थीं। फिर पापा के गुजरने के बाद उनकी यह सोच हमें प्रोटेक्ट करने के लिए ज्यादा थी कि मुंबई जैसी जगह में मैं अकेली हूं। मेरे तीन बच्चे हैं तो ऐसी कोई चीज न करें जो कैमरे के सामने हो। उनको लगा कि मेरे लिए फैशन डिजाइनिंग ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। मुझे बचपन से मम्मी की साड़ी काटकर ड्रेसेज बनाने का शौक भी था तो उन्हें लगा कि मैं उस पेशे में अच्छा करूंगी और मैंने काफी हद तक अच्छा किया भी। मैंने डिजाइनिंग की। बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय स्टोर पर मेरे अपने नाम से कपड़े बिक रहे थे। विदेशों में 30 से 40 स्टोर थे जहां मैं रीटेल कर रही थी लेकिन मैं कभी भी खुश नहीं थी। मेरी खुशी हमेशा कैमरे के आगे थी लेकिन जब हमने पापा को खोया, मेरा भाई (भूषण कुमार) तब बहुत ही कम उम्र था। वो मुश्किल से 18 साल का था तो इतने बड़े साम्राज्य का बोझ संभालना आसान नहीं होता तो उस वक्त हम सब बच्चों की कोशिश यही थी कि हम कैसे एक दूसरे का सपोर्ट बने। ऐसी कोई चीज न करे कि कहीं से भी मम्मी पर थोड़ा भी दबाव बने। इसलिए मुझे मम्मी को कंविंस करने में थोड़ा वक्त लगा, मगर वक्त के साथ जब मॉम ने कंपनी जॉइन की, उनका भी आत्मविश्वास बढ़ा।

शिकायत पर त्वरित कार्रवाई, जगन्नाथपुर जलाशय नहर की सर्विस रोड से हटाया अवैध कब्जा

शिकायत के निराकरण से आवेदक संतुष्ट, आम नागरिकों और कृषकों के लिए मार्ग हुआ सुगम और सुरक्षित

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

राज्य सरकार द्वारा आम नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन जनसमस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में सीएम हेल्पलाइन टोकन क्रमांक CC260600009140 के माध्यम से आवेदक हरिराम साहू द्वारा शासकीय भूमि जगन्नाथपुर जलाशय नहर की सर्विस रोड पर किए गए अवैध कब्जे के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई प्रारंभ की गई। शिकायत के निराकरण के लिए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया गया। टीम ने शिकायत में उल्लेखित तथ्यों का परीक्षण एवं सत्यापन करते हुए संबंधित स्थल की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान आवेदक, ग्राम के कृषकों एवं संबंधित कब्जाधारी की उपस्थिति में विभागीय कर्मचारियों द्वारा नियमानुसार सीमांकन की कार्रवाई की गई।

विभागीय व तहसील अमले ने संयुक्त रूप से की कार्रवाई

मामले की गंभीरता एवं शासकीय भूमि से संबंधित होने के कारण विभाग द्वारा तहसील प्रशासन से समन्वय स्थापित कर आगे की कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की गई। निर्धारित तिथि पर विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों एवं तहसील विभाग की संयुक्त टीम मौके पर

पहुंची और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को सफलतापूर्वक हटाया गया।

कार्रवाई के दौरान प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कर उसका मूल स्वरूप पुनः स्थापित किया जाए। अवैध कब्जा हटाए जाने के बाद जगन्नाथपुर जलाशय नहर की सर्विस रोड पूर्णतः अवरोधमुक्त हो गई। इससे क्षेत्र के आम नागरिकों एवं कृषकों का आवागमन पुनः सुचारू, सुगम एवं सुरक्षित रूप से प्रारंभ हो सका।

सीएम हेल्पलाइन से मिली शिकायत का समयबद्ध निराकरण

प्रशासन द्वारा शिकायत पर की गई त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से आवेदक हरिराम साहू ने संतोष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज शिकायत का विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्वाई करते हुए सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।यह प्रकरण दर्शाता है कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री हेल्पलाइन व्यवस्था आम नागरिकों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने और उनके समयबद्ध समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है। शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों द्वारा मैदानी स्तर पर कार्रवाई करते हुए आम नागरिकों को राहत पहुंचाई जा रही है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिक बिना किसी कार्यालय के अनावश्यक चक्कर लगाए अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को शासन के संज्ञान में ला सकते हैं। प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा परीक्षण, सत्यापन एवं आवश्यक कार्वाई के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे प्रशासन में जवाबदेही, पारदर्शिता एवं जनविश्वास को मजबूती मिल रही है।

जगन्नाथपुर जलाशय नहर की सर्विस रोड से अवैध कब्जा हटाने की यह कार्रवाई जनहित में प्रशासन की संवेदनशीलता, तत्परता तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय का उदाहरण है। इससे न केवल आवेदक की शिकायत का समाधान हुआ, बल्कि क्षेत्र के अन्य नागरिकों एवं कृषकों को भी आवागमन की सुविधा प्राप्त हुई है।

खास खबर

मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी के लिए कलेक्टर ने दिए प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन श्रीमती तुलिका प्रजापति की अध्यक्षता में जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए विशेष काययीजना तैयार कर उसके शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने जिले में गुणवत्तापूर्ण संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित उच्च स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक संसाधनों एवं व्यवस्थाओं से सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक गर्भवती महिला का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित करने तथा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत सभी गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसव के लिए आवश्यक स्टाफ की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा संभावित प्रसव के दृष्टिगत संस्थागत स्तर पर पूर्व तैयारी रखने के निर्देश दिए। शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में निजी अस्पतालों की तुलना में संस्थागत प्रसव की कम संख्या पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने प्रत्येक गर्भवती महिला को उचित परामर्श एवं मार्गदर्शन देकर शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसव के लिए प्रेरित करने को कहा।

बैठक में जननी सुरक्षा पोर्टल में हितग्राहियों से संबंधित जानकारी की नियमित एवं समयबद्ध ऑनलाइन एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्य में लापरवाही बरतने वाले कमर्चारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए सभी कार्यक्रमों में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अनुपातिक उपलब्धि सुनिश्चित करने के निर्देश समस्त खंड चिकित्सा अधिकारियों एवं विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधकों को दिए।

उन्होंने टीबी कार्यक्रम में ट्रूनेट जांच, पोषण पुनर्वास केंद्रों में कुपोषित बच्चों की उपस्थिति, मौसमी बीमारियों एवं मलेरिया की रोकथाम के लिए प्रभावी कारर्वाई, कुष्ठ रोग कार्यक्रम के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण सर्वे तथा गैर-संचारी रोग (एनसीडी) कार्यक्रम में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसी तरह आयुष्मान भारत एवं वय वंदन योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के कार्ड निर्माण में तेजी लाने तथा शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन देने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने जिले में संचालित सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की ऑनलाइन एंट्री में प्रगति लाने तथा कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेडले एप के माध्यम से ऑनलाइन पोस्टमार्टम एवं एमएलसी कार्यो के संबंध में आगामी दिनों में जिले में प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा हितग्राहियों को देय भुगतान समय पर किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों की सुविधा को सवीच्च प्राथमिकता देते हुए स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार एवं उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर दिया। बैठक में अपर कलेक्टर मिथलेश डोंडे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय खोबरागड़े, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राकेश वर्मा, समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई : नारायणपुर में तेंदुए की खाल के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन्यजीव संरक्षण के लिए सख्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / नारायणपुर

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन्यजीव संरक्षण और वन्यजीव तस्करी पर रोक लगाने के लिए वन विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में नारायणपुर जिले के धौड़ाई परिक्षेत्र में वन विभाग की टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक तेंदुए की खाल और दो मोटरसाइकिल जब्त की गई हैं।

वनमंडलाधिकारी के निर्देशन में धौड़ाई परिक्षेत्र के वन अधिकारियों और कमर्चारियों ने 8 अगस्त 2026 को गश्त के दौरान गायतापारा सड़क किनारे तीन व्यक्तियों को दो मोटरसाइकिलों से तेंदुए की खाल ले जाते हुए पकड़ा। वन विभाग ने तत्काल कारर्वाई करते हुए वाहन क्रमांक CG-21/J-4096 और CG-21/J-0920 सहित तेंदुए की खाल जब्त कर ली। जब्त की गई तेंदुए की खाल की लंबाई 184 सेंटीमीटर, सामने के दोनों पैरों के बीच की लंबाई 125 सेंटीमीटर, पीछे के दोनों पैरों के बीच की लंबाई 118 सेंटीमीटर तथा पेट की चौड़ाई 55 सेंटीमीटर पाई गई।

गिरफ्तार आरोपियों में सोनूराम कचलाम (39 वर्ष), निवासी ग्राम रोहताड़, छोटेडोंगर, पुनीत कुमार बघेल (32 वर्ष), निवासी ग्राम छोटेडोंगर (डुरकाडोंगरी) और जमधर पोटाई (50 वर्ष), निवासी ग्राम तारागांव, धौड़ाई शामिल हैं। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, नारायणपुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस अपराध में 7 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। मामले की जांच जारी है। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि राज्य सरकार वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वन्यजीवों का अवैध शिकार और तस्करी करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने वन अधिकारियों को वन्यजीव संरक्षण को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं।

विश्व आदिवासी दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

बेमेतरा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर द्वारा संचालित स्टेट प्लान ऑफ एक्शन कैलेंडर 2026-27 के अनुसार विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न स्थानों पर विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती सरोज नन्द दास के मार्गदर्शन में तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव की उपस्थिति में किया गया।

तीन बहनों ने एक साथ पास की नीट परीक्षा, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने घर पहुंचकर दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

कबीरधाम जिले के नेउर गाँव की तीन प्रतिभाशाली बहनों किरण, ज्योति और सुमन महोबिया ने इस वर्ष नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रविवार को नेउर गाँव पहुंच, तीनों छात्राओं से उनके घर पर मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने छात्राओं की माता श्रीमती भगवती महोबिया और पिता राम महोबिया एवं परिजनों से भी मुलाकात की तथा तीनों बेटियों की इस उपलब्धि के लिए पूरे परिवार को बधाई दी और कहा कि एक ही परिवार की तीन बहनों का एक साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफल होना न केवल पूरे परिवार के लिए खुशी का अवसर है, बल्कि क्षेत्र और जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि एक ही घर में रहकर तीन बहनों का एक साथ नीट जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी करना और सफलता हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस सफलता से जिले के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी कि नियमित मेहनत, सही दिशा और दृढ़ संकल्प के साथ बड़े लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि तीनों बहनों की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है, जो अपने गाँव या घर पर रहकर सीमित संसाधनों के बीच बड़े लक्ष्य की तैयारी कर रहे हैं।

मुलाकात के दौरान उप मुख्यमंत्री शर्मा ने तीनों छात्राओं से उनकी स्कूली पढ़ाई, नीट परीक्षा की तैयारी और आगे की काउंसलिंग प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं से कहा कि अब मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेकर पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करें तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ें और माता-पिता व परिवार के सपनों को अपने कार्यो और उपलब्धियों से पूरा करें। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने छात्राओं को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर के रूप में शिक्षा पूरी करने के बाद अच्छे संस्थानों और अस्पतालों में कार्य कर अनुभव प्राप्त करें। साथ ही उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के साथ अपने क्षेत्र और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी बनाए रखें।

अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ के दर्शन, नि :शुल्क यात्रा से मिल रही आत्मिक संतुष्टि

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

प्रभु श्रीराम केवल आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, मर्यादा और लोकजीवन की आत्मा हैं। वर्षों से अनेक श्रद्धालुओं की इच्छा बनी रही है कि वे अयोध्या धाम में विराजमान प्रभु श्रीरामलला और काशी विश्वनाथ के दर्शन करें, लेकिन आर्थिक सीमाओं के कारण यह सपना अक्सर अधूरा रह जाता है। ऐसे श्रद्धालुओं के लिए छत्तीसगढ़ शासन की रामलला दर्शन योजना एक वरदान बनकर सामने आई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित यह योजना हजारों श्रद्धालुओं की आस्था को सम्मान देने के साथ उनके जीवन के सबसे बड़े धार्मिक सपनों को साकार कर रही है।

कबीरधाम जिले के अब तक 898 श्रद्धालु रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ के दर्शन कर चुके हैं। योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेन से निःशुल्क यात्रा के साथ भोजन, आवास, चिकित्सा, सुरक्षा एवं स्थानीय परिवहन जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

श्रद्धालुओं का कहना है कि इस योजना ने उन्हें बिना किसी आर्थिक बोझ के अपने आराध्य के दर्शन का सौभाग्य प्रदान किया और यह यात्रा उनके जीवन का अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव बन गई।

ग्राम खारा निवासी धनसिंह यादव ने बताया कि रामलला दर्शन योजना के तहत उन्हें निःशुल्क अयोध्या धाम की यात्रा का अवसर मिला। विशेष ट्रेन में यात्रियों के लिए भोजन, पेयजल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं सहित आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध थीं। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान जिला प्रशासन की ओर से सहयोगी भी साथ रहे, जो यात्रियों की सुविधा और जरूरतों का लगातार ध्यान रखते थे। प्रभु श्रीराम के दर्शन का यह सफर उनके लिए बेहद सुखद और यादगार रहा। उन्होंने इस योजना के लिए छत्तीसगढ़ सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

धार्मिक पर्यटन को मिल रही नई पहचान

रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं की आस्था को सम्मान देने के साथ-साथ प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को भी नई दिशा दे रही है। इस पहल से लोगों को देश की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। साथ ही समाज में सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक मूल्यों को भी नई मजबूती मिल रही है।

जनकल्याण और सांस्कृतिक विरासत का सशक्त संगम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की यह पहल केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि श्रद्धा, सेवा और जनकल्याण के प्रति सरकार की संवेदनशील सोच का सशक्त उदाहरण है। रामलला दर्शन योजना यह सुनिश्चित कर रही है कि आर्थिक अभाव किसी भी श्रद्धालु की आस्था के मार्ग में बाधा न बने।

जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम | जिले में 1.10 लाख लक्षित बच्चों को दवा सेवन कराने का लक्ष्य, 17 अगस्त को होगा मॉप-अप दिवस

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर सीईओ जिला पंचायत मिथलेश डोंडे ने बच्चों को खिलाई कृमिनाशक दवा

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर जिले में बच्चों को कृमि संक्रमण से मुक्त करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय अभियान का शुभारंभ सीईओ जिला पंचायत मिथलेश डोंडे द्वारा पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, मोहला में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के बच्चों को कृमिनाशक दवा का सेवन कराया तथा कृमि संक्रमण से बचाव एवं स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की जानकारी दी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान के तहत जिले में 10 अगस्त 2026 को शुभारंभ दिवस के रूप में लक्षित बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाई जा रही है। अभियान के अंतर्गत जिले में लगभग 1 लाख 10 हजार बच्चों को कृमिनाशक दवा का सेवन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के दौरान जो बच्चे किसी कारणवश दवा सेवन से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 17 अगस्त 2026 को मॉप-अप दिवस के अवसर पर कृमिनाशक दवा का सेवन कराया जाएगा।

कार्यक्रम में बच्चों को कृमि संक्रमण के कारण होने वाले दुष्प्रभावों तथा इससे बचाव के उपायों के संबंध में जानकारी दी गई। बच्चों को बताया गया कि कृमि संक्रमण उनके स्वास्थ्य, पोषण एवं शारीरिक विकास को प्रभावित कर सकता है। नियमित रूप से कृमिनाशक दवा का सेवन करने के साथ स्वच्छता संबंधी अच्छी आदतों को अपनाकर कृमि संक्रमण से प्रभावी रूप से बचाव किया जा सकता है।

अभियान के दौरान बच्चों को भोजन से पहले एवं शौच के बाद साबुन से हाथ धोने, स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल का उपयोग करने, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही हाथ धोने की सही विधि का भी प्रदर्शन एवं जानकारी दी गई। बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा स्वच्छता को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का उद्देश्य जिले के लक्षित बच्चों में कृमि संक्रमण की रोकथाम कर उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार लाना तथा उनके समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास को सुनिश्चित करना है। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा एवं संबंधित विभागों द्वारा समन्वित रूप से कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर दुकालूराम ध्रव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग, जिला टीकाकरण अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

आईटीआई टेड़ेसरा में नव कौशल पथ नई राह नया हुनर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था टेड़ेसरा में नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों के लिए 3 एवं 4 अगस्त 2026 को दो दिवसीय नव कौशल पथ नई राह नया हुनर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में औद्योगिक प्रशिक्षण, रोजगार एवं स्वरोजगार, अप्रेंटिसशिप तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। प्राचार्य एसआर डोंगरे ने नवप्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया और प्रशिक्षण का महत्व बताया। कार्यक्रम में पीपीटी के माध्यम से विषय-वस्तु पर विषयवार जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस संस्था की प्रभारी प्रशिक्षण अधीक्षक व प्रशिक्षण अधिकारी श्रीमती हेमलता चंदाने ने प्रशिक्षणार्थियों, प्रशिक्षण एवं संस्था का परिचय दिया। श्रीमती ममता बंजारे ने क्राफ्ट्समेन ट्रेनिंग स्कीम (सीटीएस), श्रीमती भारती देवांगन ने अप्रेंटिसशिप एक्ट (एनएपीएस), अनीश कुमार लाजरस ने परीक्षा एवं कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी), नटवर लाल कटेन्द्र ने आईटीआई उत्तीर्ण होने के उपरान्त डिप्लोमा पाठ्यक्रम में लेटरल एंट्री, श्रीमती निष्ठा वाधवा ने राज्य की संस्थाओं में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इसी तरह कार्यक्रम के द्वितीय दिवस जिला रोजगार कार्यालय के अधिकारी श्रीमती शुभी जग्गी, संजय, कुरैशी द्वारा पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन दिया गया। संस्था के अवधेश गुप्ता ने प्रशिक्षण उपरान्त रोजगार, नोहर सिंह ने उद्योगों की जानकारी दी।

जेएलएन और स्पर्श अस्पताल की संयुक्त पहल, 100 नर्सिंग कर्मचारी हुए प्रशिक्षित

स्तनपान की वैज्ञानिक समझ और लैक्टेशन प्रबंधन पर राज्य स्तरीय हुई कार्यशाला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएचआरसी), भिलाई और स्पर्श मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में स्पर्श अस्पताल में एक दिवसीय राज्य स्तरीय स्तनपान एवं लैक्टेशन प्रबंधन कार्यशाला आयोजित की गई। कायर्शाला में लगभग 100 नर्सिंग विद्यार्थियों एवं नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ डॉ. उदय कुमार ने कहा कि लैक्टेशन प्रबंधन पर केंद्रित कार्यशालाएँ स्वास्थ्यकर्मियों के ज्ञान एवं दक्षता को बढ़ाने के साथ-साथ माताओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक जानकारी और उचित परामर्श से स्तनपान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया जा सकता है और दस्त, निमोनिया व कुपोषण से होने वाली शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सकता है।

एमएए और पोषण अभियान के अनुरूप पहल

यह पहल भारत सरकार के मातृ स्नेह की पूणर्ता एमएए-मदर्स एब्सोल्यूट एफेक्शन कार्यक्रम और पोषण अभियान के राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप है। इसका उद्देश्य नवजात शिशुओं को जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू कराना और पहले छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने को प्रोत्साहित करना है।

बेबी-फ्रेंडली हॉस्पिटल की जानकारी दी गई

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों का संचालन चीफ कंसल्टेंट शिशु एवं बाल रोग डॉ. माला चौधरी ने किया। उन्होंने बेबी-फ्रेंडली हॉस्पिटल इनिशिएटिव बीएफएचआई के महत्व पर प्रकाश डाला। बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ की इस पहल के तहत अस्पतालों में सफल स्तनपान के लिए 10 कदम लागू किए जाते हैं। जेएलएनएचआरसी, भिलाई को बीएफएचआई के तहत प्रमाणन प्राप्त है।

सीनियर कंसल्टेंट शिशु रोग स्पर्श मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल डॉ. अरविंद पी. सावंत और अधीक्षक डॉ. संजय गोयल ने सही लैचिंग तकनीक, स्तनपान की सामान्य चुनौतियों के प्रबंधन और नई माताओं को प्रभावी परामर्श देने का प्रशिक्षण दिया।

इंटरैक्टिव सत्र और प्रतियोगिताएं

कार्यशाला में विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ इंटरैक्टिव केस डिस्कशन, पोस्टर प्रतियोगिता और क्विज का आयोजन भी किया गया। विशेषज्ञों ने एनएफएचएस-5 के आंकड़े साझा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में केवल 49 प्रतिशत नवजातों को जन्म के एक घंटे के भीतर माँ का दूध मिलता है और केवल 25 प्रतिशत शिशुओं को छह माह तक विशेष स्तनपान कराया जाता है। कार्यशाला का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि प्रत्येक माँ को स्तनपान के लिए उचित सहयोग देना स्वस्थ समाज और स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अवैध रूप से भंडारित उर्वरक-कीटनाशकों के चार गोदाम सील, बड़ी मात्रा में कृषि आदान सामग्री जब्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर कृषि विभाग के जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल ने पाटन विकासखंड में कृषि आदान सामग्रियों के उचित मूल्य पर विक्रय और गुणवत्ता नियंत्रण को लेकर सघन निरीक्षण अभियान चलाया। 8 अगस्त को वृंदावन नगर, अमलेश्वर थाना क्षेत्र में की गई कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से भंडारित उर्वरक, कीटनाशक और जैव उत्प्रेरक का बड़ा स्टॉक बरामद हुआ। नियमों के उल्लंघन पर कुल चार गोदामों को सीलबंद किया गया।

निरीक्षण के दौरान शिवालय क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम में विभिन्न प्रकार के कीटनाशक, जैव उत्प्रेरक एवं जैविक उर्वरक का भंडारण पाया गया। कमर्चारियों से लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। जांच में अवसान तिथि के बाद की सामग्री तथा बिना बैच नंबर वाले कृषि आदान भी पाए गए।

कीटनाशी अधिनियम 1968, कीटनाशी नियम 1971 एवं उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 के उल्लंघन पर 30 से अधिक प्रकार की लगभग 5286 लीटर एवं 4717 किलोग्राम कीटनाशक सामग्री तथा 1380 लीटर एवं 1714 किलोग्राम जैव उर्वरक जब्त कर संबंधित प्रोपराइटर की सुपुदर्गी में दिया गया। गोदाम से लगे भवन को भी दस्तावेज एवं चाबी उपलब्ध नहीं होने के कारण सील किया गया था। 9 अगस्त को प्रोपराइटर प्रमोद कुमार साहू की उपस्थिति में भवन खोलने पर अवसान तिथि के बाद के 450 लीटर एवं 376 किलोग्राम कीटनाशक, 1210 किलोग्राम जैव उत्प्रेरक तथा कीटनाशक-जैव उत्प्रेरक के खाली रैपर मिले। अवैध पैकिंग की आशंका के चलते पैकिंग सामग्री भी जब्त की गई।

इसी तरह एक अन्य परिसर में कॉर्टेक्स एग्रो साइंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से बिना वैध दस्तावेजों के कीटनाशक एवं जैव उत्प्रेरक के भंडारण और विक्रय का मामला सामने आया। यहां दो गोदामों में 20 से अधिक प्रकार की लगभग 2100 लीटर से अधिक कीटनाशक सामग्री तथा 2170 किलोग्राम कीटनाशक एवं जैव उत्प्रेरक जब्त किए गए। दोनों गोदामों को सील कर दिया गया। कार्रवाई कंपनी के संचालक दुर्गा प्रसाद शर्मा की उपस्थिति में की गई। परिसर में खाली कंटेनर, इस्तेमाल किए हुए बोरे और विभिन्न प्रकार के लेबल भी मिले, जिससे कृषि आदान सामग्रियों की अवैध पैकिंग किए जाने की आशंका जताई गई।

उप संचालक कृषि संदीप भोई ने बताया कि चारों गोदामों से कुल 50 से अधिक प्रकार की लगभग 10,124 लीटर एवं 1,884 किलोग्राम कीटनाशक तथा 1,840 लीटर एवं 3,665 किलोग्राम जैव उर्वरक जब्त किए गए हैं। संबंधित प्रोपराइटरों को सामग्री सुपुदर्गी में देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कृषि आदान सामग्रियों की गुणवत्ता जांच के लिए नमूने लेकर अधिसूचित प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

कार्रवाई उप संचालक कृषि संदीप भोई के नेतृत्व में जिला स्तरीय दल ने की। दल में सहायक संचालक कृषि सह जिला निरीक्षक सुमन कुमार कोर्राम, कृषि विकास अधिकारी थानेश्वर मेश्राम, सर्वेयर लुकेश साहू और भृत्य रौनक सिन्हा शामिल रहे। पाटन विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सहित अन्य कृषि अधिकारियों और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों ने भी कार्रवाई में सहयोग किया।

कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि खरीफ सीजन में किसानों को खाद-बीज एवं कीटनाशकों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। किसानों में किल्लत पैदा करने, कालाबाजारी करने अथवा बिना वैध दस्तावेजों के अमानक कृषि आदान सामग्री बेचने वालों के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं कीटनाशी अधिनियम 1968 के तहत कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने विक्रेताओं और समितियों को निर्धारित दर पर ही कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। अधिक मूल्य वसूली या वितरण में अनियमितता मिलने पर किसान नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय में शिकायत कर सकते हैं।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में भक्तों ने पार की कठिन राहें, महामायी वनग्राम पहुंची कांवड़

151 किमी की कांवड़ पदयात्रा का दूसरा दिन संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / पंडरिया

छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर निकाली जा रही 151 किलोमीटर की कांवड़ पदयात्रा का दूसरा दिन भक्तिभाव और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। पंडरिया विधायक भावना बोहरा की अगुवाई में कांवड़िए सोमवार को ग्राम लमनी से रवाना होकर वन ग्राम महामायी खुड़िया पहुंचे।

यात्रा के दौरान कांवड़ियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कहीं ऊंचे-ऊंचे पर्वत, तो कहीं पथरीले रास्ते और बीच में बहती नदी ने श्रद्धालुओं की परीक्षा ली। लेकिन "बोल बम" के जयघोष के साथ सभी कांवड़ियों ने पूरे उत्साह से हर बाधा को पार किया। विधायक भावना बोहरा ने कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए की जा रही तपस्या है। भक्तिभाव में डूबे कांवड़िए पूरे मार्ग में शिव भजनों और जयकारों के साथ आगे बढ़ते रहे।

कल की यात्रा की झलकियां साझा करते हुए विधायक ने कहा कि मां नमर्दा और भगवान भोलेनाथ सभी के जीवन में सुख-समृद्धि का संचार करें। पदयात्रा अगले पड़ावों की ओर जारी है और जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा कांवड़ियों का स्वागत एवं जलपान की व्यवस्था की जा रही है।

नकली विक्रेता खड़ा कर सिकोला की डेढ़ एकड़ जमीन हड़पने का मामला

करोड़ों की 3 खसरे की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री, एसपी से शिकायत दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राजस्व निरीक्षक मंडल तहसील व जिला दुर्ग के अंतर्गत ग्राम सिकोला की लगभग डेढ़ एकड़ बेशकीमती जमीन को नकली विक्रेता खड़ा कर और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए हड़पने का मामला सामने आया है। डिपरापारा निवासी लाखन सिंह ने जिला पुलिस अधीक्षक दुर्ग को शिकायत सौंपकर मालवीयनगर दीपक नगर निवासी प्रविन्दर चाने पिता स्व. रणवीर सिंह चाने, नम्रता कौर चाने पति प्रविन्दर चाने और षड्यंत्र में शामिल धर्मेन्द्र मेश्राम पिता बिसहत मेश्राम निवासी रुआबांधा के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

शिकायत के अनुसार तीनों जमीनों की रजिस्ट्री फरवरी-मार्च 2023 के बीच कराई गई है। तीनों खसरे की जमीन की रजिस्ट्री नम्रता कौर चाने के नाम पर कराई गई है। इसमें विक्रेता के रूप में फर्जी लोगों को खड़ा किया गया और कूटरचित दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया।

पहला मामला - खसरा 290/34 : ग्राम सिकोला अंदर भाग प.ह.नं. 17/8 स्थित खसरा नंबर 290/34 रकबा 0.1780 हेक्टेयर भूमि में विक्रेता के रूप में श्रीमती कुलवंत कौर पति सुन्दर सिंह निवासी जमशेदपुर झारखंड को उपस्थित कराया गया। आरोप है कि विक्रय पत्र में कुलवंत कौर के असली हस्ताक्षर नहीं हैं। संलग्न आधार कार्ड का क्रमांक 696555547690 है और पिन जमशेदपुर का 831017 नहीं है। आधार में चस्पा फोटो भी वास्तविक कुलवंत कौर की नहीं है। इस फर्जी व्यक्ति की पहचान धर्मेन्द्र मेश्राम ने की थी। इसमें बीएनएस की धारा 318(4), 335, 337, 338, 340 के तहत कार्रवाई की मांग की गई है।

दूसरा मामला - खसरा 290/36 : प.ह.नं. 17/8 खसरा नंबर 290/36 रकबा 0.1780 हेक्टेयर भूमि में करम सिंह पिता छज्जा सिंह निवासी जमशेदपुर को विक्रेता बनाकर रजिस्ट्री कराई गई। इसमें भी करम सिंह के हस्ताक्षर फर्जी हैं। आधार कार्ड का पिन झारखंड का नहीं है और फोटो भी असली नहीं है। पहचानकर्ता और गवाह के रूप में धर्मेन्द्र मेश्राम का नाम है। इस प्रकरण में बीएनएस की धारा 61(2), 318(4), 335, 337, 338, 340, 39 के तहत प्रकरण दर्ज करने का अनुरोध है।

तीसरा मामला - खसरा 290/33 : प.ह.नं. 17/8 खसरा नंबर 290/33 रकबा 0.1780 हेक्टेयर भूमि में सुरेन्द्र सिंह आत्मज सरदार सिंह निवासी जमशेदपुर को विक्रेता बनाकर रजिस्ट्री की गई। इसमें भी सुरेन्द्र सिंह के हस्ताक्षर कूटरचित हैं। आधार कार्ड का पिन जमशेदपुर का नहीं है और फोटो भी वास्तविक नहीं है। इसमें भी पहचान और गवाह धर्मेन्द्र मेश्राम हैं। इसमें बीएनएस की धारा 318(4), 335, 337, 338, 340 के तहत कार्रवाई की मांग की गई है।

शिकायतकर्ता ने एसपी से मामले की गहन जांच कर आरोपियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100